R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 174
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
मंगलवार, 03 मार्च, 2026

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई ने मिल कर खेली होली | 5 छत तोड़कर पान मैटेरियल की दुकान में चोरी | 7 आलिया भट्ट ने तोड़ी चुप्पी! बाफ्टा रेड कार्पेट ...

खाड़ी के हालात को देखते हुए भारत सतर्क, पीएम मोदी ने की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक, लिये गये कई बड़े फैसले

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पश्चिम एशिया में तेजी से बिगड़ते सुरक्षा हालात के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान से बातचीत कर यूएई पर हुए हमलों की कड़ी निंदा की। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर सैन्य कार्रवाई शुरू होने के बाद खाड़ी क्षेत्र के किसी नेता से प्रधानमंत्री की यह पहली बातचीत थी। प्रधानमंत्री ने बातचीत के दौरान कहा कि यूएई पर हुए हमले निंदनीय हैं और भारत इस कठिन समय में यूएई के साथ एकजुटता से खड़ा है। उन्होंने हमलों में जान गंवाने वालों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की। साथ ही यूएई में रह रहे भारतीय समुदाय की देखभाल के लिए राष्ट्रपति का आभार जताया।

हम आपको बता दें कि अमेरिका और इजराइल की संयुक्त सैन्य कार्रवाई में ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान ने जवाबी कदम उठाते हुए यूएई की ओर सैकड़ों मिसाइल दागे। प्रधानमंत्री ने अपने वक्तव्य में ईरान का नाम नहीं लिया, लेकिन यूएई पर हमलों को स्पष्ट रूप से अस्वीकार्य बताया। साथ ही कनाडा के प्रधानमंत्री के साथ हुई द्विपक्षीय वार्ता के दौरान भी पश्चिम एशिया के हालात को लेकर दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने चर्चा की। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी चर्चा की और वहां

रह रहे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर बातचीत की।

इस बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने खाड़ी सहयोग परिषद के सभी सदस्य देशों कुवैत, बहरीन, यूएई, कतर, सऊदी अरब और ओमान के अपने समकक्षों से संपर्क साधा। उन्होंने क्षेत्र में तेजी से बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर भारत की चिंताएं साझा कीं और वहां रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और कुशलता पर चर्चा की। रविवार देर रात दिल्ली लौटने के बाद प्रधानमंत्री ने मंत्रिमंडलीय सुरक्षा समिति यानि सीसीएस की बैठक की अध्यक्षता भी की। यह समिति राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा से जुड़े मामलों पर निर्णय लेने वाली सर्वोच्च इकाई है। बैठक में पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति, भारत के सामरिक हितों और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा पर विस्तार से विचार किया गया।

क्षेत्र में हवाई क्षेत्र बंद होने और सड़क मार्ग असुरक्षित माने जाने के कारण भारत सरकार ने ईरान और अन्य प्रभावित इलाकों में रह रहे भारतीय नागरिकों को अत्यधिक सतर्कता बरतने और स्थानीय सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की सलाह दी है। सरकार के सूत्रों के अनुसार, किसी भी संभावित निकासी अभियान को अंजाम देना अत्यंत जटिल होगा क्योंकि खाड़ी क्षेत्र में करीब एक करोड़ भारतीय नागरिक फैले हुए हैं।

भारत को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में हवाई हमले कम होंगे, हालांकि रविवार को खामेनेई की मौत के बाद हमलों में तेजी आई। यूएई स्थित भारतीय दूतावास ने पुष्टि की कि ईरानी हमले में एक भारतीय नागरिक घायल हुआ है, लेकिन उसकी हालत खतरे से बाहर है और उसे अस्पताल में आवश्यक सहायता मिल रही है। दूसरी ओर, भारत में ईरानी दूतावास ने विश्व भर की स्वतंत्र और स्वतंत्रता समर्थक सरकारों से खामेनेई की हत्या की कड़ी निंदा करने और कथित अराजकता व आक्रामकता के खिलाफ आवाज उठाने का आह्वान किया। हालांकि अभी तक भारत की ओर से खामेनेई की मौत पर शोक व्यक्त नहीं किया गया है। रूस और चीन उन कुछ देशों में शामिल रहे जिन्होंने इस घटना की निंदा की या संवेदना प्रकट की।

पीएम मोदी की तिरुचिरापल्ली रैली पर फोकस तमिलनाडु में एनडीए सीट बंटवारे पर सस्पेंस बरकरार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भाजपा के तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के भीतर सीट बंटवारे को लेकर बातचीत अभी शुरू नहीं हुई है और चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद ही होगी। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन की एक विशाल जनसभा 11 मार्च को तिरुचिरापल्ली में आयोजित होने वाली है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने की उम्मीद है। इस आयोजन से पहले, नैनार नागेंद्रन पूर्व मंत्री सी विजयभास्कर के साथ तिरुचिरापल्ली गए और जनसभा के स्थल का निरीक्षण और अंतिम रूप दिया। उन्होंने पंजप्पुर में एक निजी जमीन का जायजा लिया और बाद में शहर के जी कॉर्नर ग्राउंड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद पत्रकारों से बात करते हुए नागेंद्रन ने कहा कि तिरुचिरापल्ली में एनडीए की जनसभा एक बड़े सम्मेलन के पैमाने पर आयोजित की जाएगी, जिसमें पांच लाख से अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि अंतिम व्यवस्था के आधार पर बैठक पंजप्पुर स्थित निजी स्थल या जी कॉर्नर ग्राउंड में आयोजित की जाएगी। गठबंधन के मुद्दे पर उन्होंने स्पष्ट किया कि एनडीए के भीतर सीट बंटवारे को लेकर चर्चा अभी शुरू नहीं हुई है और चुनाव आयोग द्वारा मतदान तिथियों की घोषणा के बाद ही इस पर विचार किया जाएगा। एआईएडीएमके महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने के लिए नई दिल्ली यात्रा के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब में नागेंद्रन ने कहा कि बैठक का उद्देश्य केवल दोनों नेताओं को ही पता था।

तमिलनाडु में सीटों का पेंच सुलझाएंगे सीएम स्टालिन? कांग्रेस बोली- हमारी मांग पर जरूर विचार होगा

चेन्नई **(एजेंसी)**। तमिलनाडु कांग्रेस अध्यक्ष के. सेल्वपेरुंथगई ने सोमवार को स्पष्ट किया कि कांग्रेस और द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) के बीच सीट बंटवारे को लेकर बातचीत के बाद समझौता हो जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियों के बीच कोई भ्रम नहीं है। उन्होंने कहा कि हर चुनाव में बातचीत होती है, और हर पार्टी अधिक सीटों की मांग करती है, और अंततः समझौता हो जाता है। यहां भी ऐसा ही होगा। हम कुछ और सीटों की मांग कर रहे हैं, और समझौता हो जाएगा। सेल्वपेरुंथगई ने आगे कहा कि डीएमके और कांग्रेस, यानी इंडिया ब्लॉक गठबंधन, एक स्वाभाविक गठबंधन है, एक वैचारिक गठबंधन है। असहमति की क्या बात है? हर चुनाव में, सभी पार्टियां, यहां तक कि छोटी पार्टियां भी, अधिक सीटों की मांग करती हैं। हमें जो भी चाहिए, हम मांगेंगे। हमारे मुख्यमंत्री स्टालिन इस पर जरूर विचार करेंगे। कोई समस्या नहीं है; सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा है। उन्होंने कांग्रेस और तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) की बातचीत की अफवाहों को भी खारिज करते हुए कहा कि हमने टीवीके से बात नहीं की। किसने कहा कि हमने टीवीके से बात की? मैं पीसीसी अध्यक्ष हूं। मेरे हाई कमांड ने भी मुझे उनसे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बात करने का कोई निर्देश नहीं दिया। हम कोई गुप्त राजनीति नहीं करते।

तनाव के बीच दुबई में लौटी रौनक, पर्यटक आकर्षण केंद्र पर फिर उमड़ी भीड़, चिंताएं बरकरार

अबू धाबी **(एजेंसी)**। ईरान के हमले के बाद सोमवार सुबह दुबई में जनजीवन सामान्य प्रतीत हुआ। प्रमुख स्थलों पर पर्यटकों की भीड़ उमड़ी, निवासी जॉगिंग और सैर करते नजर आए, और पर्यटक पूरे शहर में तस्वीरें खींचते नजर आए। एक दिन पहले सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण कुछ समय के लिए कामकाज बाधित हुआ था। रविवार को इससे पहले, पश्चिम एशिया क्षेत्र में तनाव बढ़ने के मद्देनजर, संयुक्त अरब अमीरात के अधिकारियों ने एहतियाती उपायों की घोषणा की थी, जिनमें प्रमुख पर्यटन स्थलों को अस्थायी रूप से बंद करना, दूरस्थ कार्य के लिए निर्देश देना और प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में परिचालन में बदलाव करना शामिल था।

गल्फ न्यूज के अनुसार, अधिकारियों ने निवासियों, कर्मचारियों और पर्यटकों से नवीनतम जानकारी के लिए केवल सत्यापित आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करने का आग्रह किया। बुर्ज खलीफा के आसपास से प्राप्त तस्वीरों में आगंतुक तस्वीरें खींचते, परिवार सार्वजनिक स्थानों पर टहलते और फिटनेस के शौकीन लोग सुबह की जॉगिंग करते नजर आए। एक दिन पहले लगभग सुनसान पड़े पर्यटक स्थलों पर सुबह से ही लोगों की आवाजाही बढ़ने लगी, जो जनता के विश्वास की धीरे-धीरे बहाली का संकेत है।

दुबई में मौजूद कई भारतीय पर्यटकों ने बताया कि ड्रोन हमले की खबरों और सरकार द्वारा जारी मोबाइल अलर्ट के बाद उन्हें कुछ पलों के लिए डर का सामना करना पड़ा, लेकिन अब स्थिति स्थिर लग रही है। पिछले चार-पांच दिनों से दुबई में मौजूद सरस्वती अक्की ने बताया कि ग्लोबल विलेज घूमते समय उन्होंने बुर्ज खलीफा के पास एक तेज आवाज सुनी। एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा कि लोग कह रहे थे कि परसों रात बुर्ज खलीफा के पास कुछ गिरा था, लेकिन हमने सिर्फ आवाज सुनी। बाद में जब हम होटल लौटे, तब पता चला कि इधर-उधर कुछ गिरा था। रात में सरकार ने हमें दो बार अलर्ट भेजा। हम दो बार जागे और बहुत डर गए थे। उस रात हम सो नहीं पाए।

उन्होंने आगे बताया कि अगले दिन ज्यादातर दुकानें बंद थीं। कल सब कुछ बंद था, इसलिए हम पूरे दिन होटल में ही रहे। लेकिन आज सब कुछ खुला है और हम बुर्ज खलीफा आए हैं। अब सब कुछ बिल्कुल सामान्य लग रहा है। घबराहट जैसी कोई बात नहीं है। पर्यटक हर जगह जा रहे हैं।

तमिलनाडु में प्रधानमंत्री ने दिया बड़ा सियासी संदेश, दीपम मुद्दे पर जान देने वाले श्रद्धालु के घर जाकर परिजनों से मिले पीएम

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की आहट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दौरा राजनीतिक और सांस्कृतिक दोनों दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मदुरै और तिरुपरंकुंड्रम में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान उन्होंने जहां राज्य की सत्तारुढ़ द्रमुक सरकार पर तीखा हमला बोला, वहीं दीपम अधिकार के मुद्दे को उठाने वाले एक श्रद्धालु के घर जाकर बड़ा संदेश भी दिया। इस कदम ने पूरे राज्य मंम व्यापक चर्चा को जन्म दिया है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री ने तिरुपरंकुंड्रम स्थित श्री सुब्रह्मण्य स्वामी मंदिर में पूजा अर्चना की। यह मंदिर तमिल आस्था का प्रमुख केंद्र है और कार्तिगई दीपम पर्व के समय यहां विशेष महत्व होता है। पिछले वर्ष दीप प्रज्वलन अधिकार को लेकर हुए विवाद के दौरान एक युवा श्रद्धालु ने अपना जीवन समाप्त कर लिया था। इस घटना ने राज्य भर में भावनात्मक प्रतिक्रिया उत्पन्न की थी। प्रधानमंत्री ने उसी श्रद्धालु के घर जाकर उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि उनका मन भारी है और किसी भी परिवार को ऐसी पीड़ा से नहीं गुजरना चाहिए। इस मुलाकात को प्रतीकात्मक रूप से उस भावना से जोड़ा जा रहा है कि केंद्र सरकार तमिल संस्कृति और धार्मिक परंपराओं के प्रति सम्मान रखती है। चुनावी माहौल में यह संदेश विशेष महत्व रखता है, क्योंकि द्रमुक पर आरोप लगते रहे हैं कि वह परंपरागत धार्मिक मुद्दों के प्रति संवेदनशील नहीं है। साथ ही मदुरै की जनसभा में प्रधानमंत्री ने द्रमुक पर कई घोटालों में लिप्त होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सामान्यतः मंत्री अच्छे कार्यों में प्रतिस्पर्धा करते हैं, परंतु यहां मंत्री घोटालों में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। उन्होंने स्थानांतरण, नौकरी, ठेका और बालू खनन से जुड़े कथित घोटालों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सरकार गरीबों, युवाओं और किसानों के अधिकारों की अनदेखी कर रही है। प्रधानमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री के. कामराज का उल्लेख करते हुए उनकी ईमानदारी को आदर्श बताया और कहा कि आज की सत्ता उस परंपरा से भटक चुकी है।

तमिलनाडु में पेरियार पर राजनैतिक संग्राम बीजेपी बोली- हमारी विचारधारा दिखाने में क्या गलत?

चेन्नई **(एजेंसी)**। भाजपा नेता तमिलिसाई सौंदर्यराजन ने सोमवार को मदुरै में एनडीए की एक जनसभा के प्रवेश द्वार से पेरियार ई.वी. रामासामी की तस्वीर हटाए जाने की कथित घटना को उचित ठहराते हुए कहा कि यह आयोजकों द्वारा हिंदू भावनाओं का सम्मान करने की इच्छा को दर्शाता है। इस विषय पर बोलते हुए, तमिलिसाई सौंदराजन ने डीएमके के वैचारिक रुख पर सवाल उठाते हुए पूछा कि पार्टी के 80इ सदस्य हिंदू होने के दावे के बावजूद, भगवान मुरुगन और देवी काली जैसी हिंदू देवी-देवताओं की तस्वीरें पार्टी सम्मेलनों में क्यों नहीं दिखाई जातीं?

तमिलिसाई सौंदर्यराजन ने आगे कहा कि कार्यक्रमों में तस्वीरों का चयन आयोजकों की विचारधारा को दर्शाता है और इसे प्रदर्शित करने में कुछ भी छिपाने जैसा नहीं है। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि यदि कोई स्पष्ट विचारधारा नहीं है और यदि कोई सभी का समान रूप से सम्मान करने का दावा करता है, तो हिंदू मंदिरों में क्यों नहीं जाते? यदि, जैसा कि दावा किया जाता है, डीएमके के 80इ सदस्य हिंदू हैं, तो उनके सम्मेलन में भगवान मुरुगन या देवी काली की तस्वीरें क्यों नहीं हैं? इसी प्रकार, सम्मेलन में प्रदर्शित तस्वीरें आयोजकों की विचारधारा को दर्शाती हैं। इसमें कुछ भी छिपाने जैसा नहीं है।

भाजपा नेता ने तमिलनाडु के मदुरै स्थित अरुलमिगु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद भी दिया। प्रधानमंत्री मोदी का मंदिर दौरा मद्रास उच्च न्यायालय के उस फैसले के बाद हुआ है जिसमें अरुलमिगु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर के श्रद्धालुओं को तिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी की चोटी पर स्थित दीपा थून पर दीपक जलाने की अनुमति दी गई थी। तमिलिसाई सौंदराजन ने कहा कि यह नहीं कहा जा सकता कि विवाद समाप्त हो गया है। उपेक्षित हिंदुओं की भावनाएं और आहत हिंदुओं की संवेदनाएं अभी भी बनी हुई हैं। एक मां ने बताया कि वह मुरुगन मंदिर में दीपक नहीं जला पाईं। प्रधानमंत्री मोदी मां के समर्थन में आए और उन्हें सांत्वना देते हुए कहा कि हिंदुओं को हाशिए पर रखा जा रहा है और वह उनके साथ खड़े हैं।

सौंदर्यराजन ने कहा कि 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा के लिए 2026 के पहले छमाही में चुनाव होंगे, जहां एमके स्टालिन के नेतृत्व वाला गठबंधन भाजपा-एआईएडीएमके गठबंधन के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए 'द्रविड़ मॉडल 2.0' को पेश करने की कोशिश करेगा। अभिनेता से राजनेता बने विजय की अपनी पार्टी तमिलगा वेट्ट्री कझगम (टीवीके) के साथ मैदान में उतरने से तमिलनाडु चुनाव त्रिकोणीय मुकाबले में तब्दील होने की आशंका है।

असम की जन आशीर्वाद यात्रा में सीएम हिमंत का क्रेज, हज़ारों की भीड़ ने बरसाए फूल

गुवाहाटी **(एजेंसी)**। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सोमवार को असम के गोहपुर क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी की जन आशीर्वाद यात्रा के तीसरे दिन लोगों का अभिवादन किया। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले इस अभियान को जनता का भारी समर्थन मिल रहा है। गोहपुर में यात्रा के तीसरे दिन हजारों लोग मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए एकत्रित हुए और पूरे मार्ग में पुष्प अर्पित करते हुए अपना समर्थन जताया। सोमवार को एक पोस्ट में, जिसमें उनका स्वागत करती भारी भीड़ का वीडियो भी शामिल था, मुख्यमंत्री सरमा ने लिखा कि मैं सांता क्लॉज़ नहीं हूँ, लेकिन मेरे भगीनों के लिए मेरे पास हमेशा उपहार होते हैं।

इससे पहले, रविवार को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के लिए आभार व्यक्त करते हुए, मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि लोग पिछले पांच वर्षों में भूमि अधिकार और रोजगार प्रदान करने के लिए खुले तौर पर उनका धन्यवाद कर रहे हैं। सरमा ने कहा कि मैं असम की जनता का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ। कल रात 12:30 बजे तक जुलूस चला और हर जगह लोग ही लोग थे। जनता ने हमें पूरा समर्थन दिया। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि लोग इतनी बड़ी संख्या में निकलेंगे। लोग पिछले पाँच वर्षों में हमारे द्वारा किए गए कार्यों को स्वीकार कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि इस बार जनता हमें मजबूत जनादेश देगी।

उन्होंने आगे कहा कि कई लोग उनसे मिलते हैं और बताते हैं कि उन्हें नौकरी या जमीन मिल गई है, या अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए उन्हें धन्यवाद देते हैं। उन्होंने कहा कि हम यह कड़ा संदेश देना चाहते हैं कि हम सभी अवैध अतिक्रमणकारियों को बेदखल करेंगे। बहुत से लोग मुझसे मिलते हैं और बताते हैं कि उन्हें नौकरी या जमीन मिल गई है या अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए मुझे धन्यवाद देते हैं। जनता हमारा समर्थन कर रही है।

यात्रा के दौरान, मुख्यमंत्री ने अगले पाँच वर्षों में अतिक्रमित पाँच लाख बीघा भूमि को वापस लेने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने जोर देकर कहा कि भूमि पट्टे केवल स्वदेशी लोगों को ही दिए जाएंगे, जिससे असम की भूमि और पहचान की सुरक्षा के संबंध में एक स्पष्ट संदेश जाएगा।

दिल्ली में महिला सशक्तिकरण का बड़ा कदम मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दी मुफ्त एलपीजी और बस यात्रा की सौगात

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को सशक्त नारी, समृद्ध दिल्ली कार्यक्रम में महिला-केंद्रित कई महत्वपूर्ण पहलों का शुभारंभ किया, जिनमें राशन कार्ड धारकों के लिए मुफ्त एलपीजी सिलेंडर योजना और दिल्ली लखपति बिटिया योजना शामिल हैं। शिक्षा, गतिशीलता और घरेलू सशक्तिकरण पर जोर देते हुए उन्होंने घोषणा की कि लाडली-लाडली योजना के तहत 30, 000 लड़कियों के लिए धनराशि डीबीटी के माध्यम से वितरित कर दी गई है।

इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने होली और दिवाली के अवसर पर राशन कार्ड धारक परिवारों को प्रतिवर्ष दो मुफ्त एलपीजी सिलेंडर प्रदान करने वाली योजना का भी शुभारंभ किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह जीवन के तीन पहलुओं को छूने का प्रयास हैः शिक्षा, गतिशीलता और घरेलू सशक्तिकरण। मैं दिल्ली की बेटियों को बधाई देता हूँ... सरकार की जाँच में पता चला कि 17.5 लाख लड़कियों के लिए 'लाडली-लाडली' योजना का पैसा सरकारी खातों में पड़ा हुआ था। इसलिए, पहले चरण में हमने 30, 000 लड़कियों का पता लगाया और डीबीटी के माध्यम से 90 करोड़ रुपये दिए गए।

अधिकारियों के अनुसार, ये चार योजनाएँ हैंः 'सहेली पिंक स्मार्ट कार्ड', मुफ्त एलपीजी सिलेंडर योजना, दिल्ली लखपति बिटिया योजना और 'मेरी पुंजी मेरा अधिकार'। इस पहल के तहत, सहेली पिंक स्मार्ट कार्ड को राष्ट्रीय साझा गतिशीलता कार्ड (एनसीएमसी) ढांचे के अंतर्गत पेश किया जाएगा, जिससे पात्र महिलाओं और ट्रांसजेंडर निवासियों को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा मिलेगी। यह कार्ड मेट्रो और क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली (आर.आई.एस.) में भी सशुल्क

यात्रा की सुविधा देगा, जिसे एक ही टच-फ्री स्मार्ट कार्ड के माध्यम से किया जा सकेगा। कार्ड लगभग 50 डीएम/एसडीएम कार्यालयों और चयनित डीटीसी केंद्रों पर जारी किए जाएंगे, जहां पात्रता का सत्यापन आधार कार्ड के माध्यम से किया जाएगा और लाभार्थी के मोबाइल नंबर से लिंक किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुलभ, सुरक्षित और डिजिटल बनाने में एक मील का पत्थर साबित होगी। त्योहारों के दौरान दो मुफ्त एलपीजी सिलेंडरों के साथ, यह योजना प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से प्रदान की जाएगी। एक सिलेंडर की वर्तमान कीमत के बराबर राशि परिवार के मुखिया के आधार से जुड़े बैंक खाते में जमा की जाएगी। इस योजना से लगभग 15.50 लाख राशन कार्ड धारक परिवारों को लाभ होगा।

'परिवर्तन' का अर्थ सिर्फ मुख्यमंत्री बदलना नहीं बल्कि भ्रष्ट टीएमसी को उखाड़ फेंकना है-शाह

कोलकाता **(एजेंसी)**। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के शंखनाद के बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को दक्षिण 24 परगना के मथुरापुर से हुंकार भरी। 'परिवर्तन यात्रा' के मंच से ममता बनर्जी सरकार पर सीधा प्रहार करते हुए शाह ने स्पष्ट किया कि भाजपा के लिए 'परिवर्तन' का अर्थ केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राज्य को घुसपैठ और भ्रष्टाचार से मुक्त करना है।

मथुरापुर में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, 'ममता दीदी कहती हैं कि यह सत्ता हथियाने की यात्रा है। दीदी, परिवर्तन का मतलब सिर्फ मुख्यमंत्री बदलना नहीं होता, वह तो बंगाल की जनता खुद कर देगी। हमारे लिए परिवर्तन का अर्थ है–बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त करना, भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाना और एक ऐसी सरकार बनाना जो विकास को प्राथमिकता दे।'

शाह ने राज्य की बदहाली के लिए पिछले दशकों के शासन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि जिस बंगाल को कभी उसकी समृद्धि के लिए जाना जाता था, उसे पहले वामपंथियों और फिर तृणमूल कांग्रेस ने गर्त में धकेल दिया। अब समय आ गया है कि हम फिर से 'सोनार बांग्ला' का निर्माण करें। गृह मंत्री ने जानकारी दी कि पूरे पश्चिम बंगाल में कुल नौ 'परिवर्तन यात्राएं' शुरू की जा रही हैं। जबकि सिलीगुड़ी, नबद्वीप, मेदिनीपुर और पुरुलिया से यात्राएं पहले ही शुरू हो चुकी हैं। आज मालदा, हुगली, बर्धमान, उत्तर 24 परगना और मथुरापुर से नई यात्राओं का शुभारंभ हुआ। यह अभियान राज्य के कोने-कोने तक पहुँचेगा और ममता सरकार की विफलताओं को जनता के सामने रखेगा।

इससे पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने भी कूचबिहार में ममता सरकार को घेरते हुए आरोप लगाया था कि राज्य सरकार अवैध घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है और महिलाओं की सुरक्षा करने में पूरी तरह विफल रही है।

सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद : होलिका दहन को लेकर प्रशासन का कड़ा रुख

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जनपद में होलिका दहन को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। सिराथू तहसील के शहजादपुर हनुमान टोला में आबादी के बीच होलिका दहन स्थल को लेकर अड़चन उत्पन्न हो गई, जिससे क्षेत्र में हलचल मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीम मौके पर सक्रिय हो गई ताकि शांति व्यवस्था बनी रहे।

ज्ञात हो कि उपजिलाधिकारी योगेश कुमार गौड़, क्षेत्राधिकारी संतोष सिंह तथा कोखराज थाना प्रभारी चन्द्रभूषण मौर्य पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने दोनों पक्षों से वार्ता कर शांति बनाए रखने की अपील की। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि परंपरा और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए उचित स्थान पर ही होलिका दहन कराया जाएगा। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और क्षेत्र में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अनदेखी कर रही यूपी पुलिस, नाराज हाईकोर्ट ने लगाई फटकार

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सात साल से कम सजा वाले मामलों में गिरफ्तारी को लेकर उत्तर प्रदेश पुलिस की कार्यप्रणाली पर कड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद ऐसे मामलों में गिरफ्तारी करना यह दर्शाता है कि पुलिस के मन में देश के कानून के प्रति सम्मान की कमी है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने सचिन आर्य व अन्य की ओर से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका की सुनवाई के दौरान की। मामला प्रयागराज के धूमनगंज थाना क्षेत्र का है, जहां याची को आयुध अधिनियम से जुड़े एक मामले में पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि आरोपित धाराओं में न्यूनतम सजा दो वर्ष और अधिकतम पांच वर्ष है। ऐसे में पुलिस द्वारा की गई गिरफ्तारी प्रथम दृष्टया अवैध प्रतीत होती है, क्योंकि पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत नोटिस जारी किए बिना ही गिरफ्तारी की कार्रवाई की थी। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के एस.के. अंतिल बनाम सीबीआई मामले का हवाला देते हुए कहा कि सात वर्ष से कम सजा वाले अपराधों में बीएनएसएस की धारा 35(3) का पालन किए बिना गिरफ्तारी नहीं की जा सकती।

अदालत ने पाया कि 12 फरवरी को ही अवैध हिरासत मानते हुए याची की तत्काल रिहाई का आदेश दे दिया गया था। इसके बावजूद पुलिस ने आदेश के करीब 20 घंटे बाद उसे रिहा किया। कोर्ट ने इसे गंभीर अवमानना मानते हुए संबंधित थाना प्रभारी और उपनिरीक्षक के आचरण को सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना बताया।

हाईकोर्ट ने दोषी अधिकारियों की बिना शर्त माफी की अर्जी भी खारिज कर दी और प्रयागराज के पुलिस आयुक्त को संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। हालांकि अदालत ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में मुआवजा देने से इनकार किया, लेकिन याची को मुआवजे के लिए अन्य कानूनी उपाय अपनाने की स्वतंत्रता दी है।

सुविधाओं में इजाफा : आरकेबीके पेट्रोल पंप पर सीएनजी सेवा का आगाज

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। गुलामीपुर गनपा स्थित आरकेबीके प्राइवेट लिमिटेड पेट्रोल पंप पर सोमवार से सीएनजी सेवा का शुभारंभ हो गया है। अब स्थानीय वाहन चालकों को पेट्रोल और डीजल के साथ-साथ सीएनजी के लिए अन्यत्र भटकना नहीं पड़ेगा। इस सुविधा के शुरू होने से क्षेत्र के वाहन स्वामियों ने राहत की सांस ली है।

ज्ञात हो कि सीएनजी सेवा का विधिवत उद्घाटन वरिष्ठ पत्रकार सुनील पांडेय ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और वाहन चालकों की सुविधा के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है। अब वाहन चालकों को सीएनजी भरवाने के लिए लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता नहीं होगी, उन्हें एक ही स्थान पर सभी प्रकार के ईंधन उपलब्ध हो सकेंगे।

सत्ता की बिसात : 2027 के चुनाव से पहले बसपा में ब्राह्मणों की एंट्री

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। बहुजन समाज पार्टी के तत्वाधान में जनपद के जिला कार्यालय में आयोजित एक दिवसीय कार्यकर्ता गोष्ठी में बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिला। गोष्ठी के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने भारतीय जनता पार्टी छोड़कर बहुजन समाज पार्टी का दामन थाम लिया। यमुना नदी के तटवर्ती क्षेत्र के प्रभावशाली परिवारों के इस कदम से जिले की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

ज्ञात हो कि अजय मिश्रा, नीतीश मिश्र, सोनू त्रिपाठी, रत्नेश त्रिपाठी, मुकेश त्रिपाठी, सत्यदेव त्रिपाठी और रोहित चौबे समेत सैकड़ों लोगों ने बसपा जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र गौतम के आग्रह पर पार्टी की सदस्यता ली। कार्यकर्ताओं का कहना है कि आगामी विधानसभा चुनाव में इसका व्यापक असर देखने को मिलेगा। इस दौरान ब्राह्मण समाज के साथ हजारों पासी कार्यकर्ताओं ने भी बसपा में अपनी निष्ठा व्यक्त की।

बीएलओ ड्यूटी पर तैनात सहायक अध्यापक का शव बरामद

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। सराय अकिल थाना क्षेत्र से पिछले पांच दिनों से लापता सहायक अध्यापक का शव सोमवार को यमुना नदी में मिलने से इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक शिक्षक बीएलओ के कार्य में तैनात थे और कई दिनों से घर नहीं लौटे थे। शव मिलने की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

ज्ञात हो कि धरमपुर कनैली निवासी कृष्ण बाबू वर्मा का शव यमुना की बीच धारा में पत्थरों के बीच फंसा हुआ मिला। मृतक प्राथमिक विद्यालय कनैली में तैनात थे। परिजनों के अनुसार, वह बीमारी और पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते मानसिक दबाव में थे। 25 फरवरी को काम पर निकलने के बाद जब वह वापस नहीं आए, तो गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की छानबीन कर रही है।

किसानों की सहमति से ही होगा जमीन का अधिग्रहण

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। झूंसी क्षेत्र में आवास योजना बनाने के लिए प्रयागराज विकास प्राधिकरण किसानों की सहमति से जमीन का अधिग्रहण करेगा। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने समाजवादी पार्टी के एमएलसी डॉ. मानसिंह यादव को यह आश्वासन दिया है। जमीन अधिग्रहण को लेकर एमएलसी के नेतृत्व में सपा व किसानों का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को जिलाधिकारी से मिला। चक हिंनौता, मुकुंदपुर सहित 13 गांवों में जमीन अधिग्रहण को लेकर ज्ञापन दिया। किसानों की ओर से एमएलसी ने कहा कि अभी तक जमीन अधिग्रहण के लिए किसी अधिकारी ने संपर्क नहीं किया। जबकि सैकड़ों किसान अपनी जमीन को बचाने के लिए कई दिन से अपनी जमीन पर ही बैनर लगा कर वार्ता का इंतजार कर रहे हैं।

एमएलसी ने बताया कि रिंग रोड के लिए पहले ही किसानों की जमीन जा चुकी है। अब आवासीय योजना के लिए जमीन अधिग्रहण करने की तैयारी है। ऐसा होगा तो क्षेत्र में खेत नहीं बचेंगे। सपा प्रवक्ता दान बहादुर मधुर के अनुसार जिलाधिकारी ने किसानों से सहमति के बाद आवास योजना के लिए जमीन अधिग्रहण का आश्वासन दिया है।

विवेक खरे, बने आरेडिका के नये महाप्रबंधक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। श्री विवेक खरे भारतीय रेलवे के यांत्रिक इंजीनियरिंग संवर्ग के वरिष्ठ अधिकारी हैं, जो वर्तमान में मॉडर्न कोच फैक्ट्री (एमसीएफ), रायबरेली में प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता के पद पर कार्यरत हैं। दिनांक 01 मार्च 2026 से उन्हें महाप्रबंधक, एमसीएफ का प्रभार भी सौंपा गया है, जो उनके नेतृत्व एवं प्रशासनिक दक्षता पर विश्वास को दर्शाता है।

उन्होंने वर्ष 1989 बैच के आईआरएसएमई के माध्यम से 03 मार्च 1991 को भारतीय रेल में सेवा प्रारंभ की। तथा 03 मार्च 1991 को ही राजपत्रित सेवा में प्रविष्ट हुए। श्री खरे बीई उपाधि धारक हैं एवं तीन दशकों से अधिक के अपने उत्कृष्ट कार्यकाल में उन्होंने कार्यशालाओं, डीज़ल शेडों, मंडलों, अनुसंधान संस्थानों एवं प्रतिनियुक्ति पदों पर महत्वपूर्ण दायित्व निभाए हैं।

उन्होंने अपने प्रारंभिक कार्यकाल में विजयवाड़ा तथा सिकंदराबाद (दक्षिण मध्य रेलवे) में सेवाएँ दीं। तत्पश्चात वे लल्लागुड़ा कार्यशाला एवं तुगलकाबाद डीज़ल शेड (उत्तरी रेलवे) में कार्यरत रहे, जहाँ वर्ष 1997 में उन्हें उत्कृष्ट कार्य के लिए महाप्रबंधक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वर्ष 2000 से 2005 तक वे प्रतिनियुक्ति पर राइटस लिमिटेड में उप महाप्रबंधक/अपर महाप्रबंधक के रूप में भारत एवं बांग्लादेश की परियोजनाओं का दायित्व संभालते रहे। वर्ष 2005 से 2013 तक उन्होंने आरडीएसओ, लखनऊ में निदेशक के रूप में अनुसंधान, डिज़ाइन मानकीकरण एवं तकनीकी उन्नयन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके पश्चात वे एडीआरएम, रायपुर तथा मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, चारबाग कार्यशाला, लखनऊ (उत्तरी रेलवे) के पद पर 2016 से 2024 तक कार्यरत रहे, जहाँ उन्होंने आधुनिकीकरण एवं उत्पादन दक्षता में उल्लेखनीय प्रगति की।

श्री खरे ने 04 अप्रैल 2024 को आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में कार्यभार ग्रहण किया तथा 03 जुलाई 2024 को उन्हें उच्च प्रशासनिक ग्रेड (ठ्ठि) में पदोन्नत किया गया। वर्तमान में पीसीएमई एवं महाप्रबंधक के रूप में वे कोच निर्माण में रणनीतिक योजना, उत्पादन विस्तार, गुणवत्ता संवर्धन एवं तकनीकी आधुनिकीकरण का नेतृत्व कर रहे हैं।

उन्होंने आईएसबी हैदराबाद में प्रबंधन कार्यक्रम सहित विभिन्न उच्च स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेकर अपने प्रशासनिक एवं प्रबंधकीय कौशल को और सुदृढ़ किया है।

श्री खरे का मूल रेल मंडल दक्षिण मध्य रेलवे है। उनकी तकनीकी विशेषज्ञता, प्रशासनिक दक्षता एवं दूरदर्शी नेतृत्व से आरेडिका उत्पादन, गुणवत्ता एवं नवाचार के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा तथा भारतीय रेल के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता रहेगा।

महंत भगवान गिरि महाराज को चादर ओढाकर मंदिर का नियुक्त किया गया महंत

ब्रहमलीन महंत नरेश गिरि महाराज जैसे संत भक्तों के दिलों में हमेशा जीवित रहते हैंः स्वामी नरेंदानंद

समाज व देश को सही दिशा व दशा देने के लिए महंत नरेश गिरि जैसे संतों की जरुरत : श्रीमहंत नारायण गिरि

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबास स्थित धूनी वाले बाबा का प्राचीन मंदिर में सोमवार को ब्रहमलीन महंत नरेश गिरि महाराज की श्रद्धांजलि सभा व षोडशी भंडारा हुआ। उनकी स्मृति में आयोजित श्रीराम कथा की पूर्णाहुति हुई जिसमें कथा व्यास ने नितिन आचार्य गोवर्धन ने सात दिन तक राम नाम की अमृत वर्षा की। श्रद्धांजलि सभा में उर्ध्वाम्नाय काशी सुमेरू पीठाधीश्वर जगतगुरू शंकराचार्य अनंत श्रीविभूषित स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती महाराज आदि जगरूगुरू शंकराचार्य महासंस्थान सुमेरूपीठ वाराणसी मुख्य अतिथि थे जबकि अध्यक्षता सिद्धपीठ दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर के पीठाधीश्वर, जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता एवं दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने किया।संचालन दिल्ली संत महामंडल के महामंत्री महामंडलेश्वर नवल किशोर दास महाराज ने किया।

उर्ध्वाम्नाय काशी सुमेरू पीठाधीश्वर जगतगुरू शंकराचार्य अनंत श्रीविभूषित स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती महाराज ने कहा कि ब्रहमलीन महंत नरेश गिरि महाराज जैसे संतों तो अपने भक्तों के दिलों में हमेशा जीवित रहते हैं। महंत नरेश गिरि महाराज ने सनातन धर्म, समाज और देश की जो सेवा की, उसने उन्हें अमर बना दिया है। श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि समाज व देश को सही दिशा व दशा देने के लिए आज महंत नरेश गिरि महाराज जैसे संतों की ही आवश्यकता है। उन्होंने जो रास्ता दिखाया, महंत भगवान गिरि महाराज उस पर चलते हुए सनातन धर्म को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं। महामंडलेश्वर नवल किशोर दास महाराज ने कहा कि ब्रहमलीन महंत नरेश गिरि महाराज का पूरा जीवन सनातन धर्म, समाज व देश की सेवा के लिए समर्पित रहा। उर्ध्वाम्नाय काशी सुमेरू पीठाधीश्वर जगतगुरू शंकराचार्य अनंत श्रीविभूषित स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती महाराज, सिद्धपीठ दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर के पीठाधीश्वर, जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता एवं दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज, दिल्ली संत महामंडल के महामंत्री महामंडलेश्वर नवल किशोर दास महाराज, जूना अखाडा के मंत्री व दिल्ली संत महामंडल के संगठन मंत्री महामंडलेश्वर कंचन गिरि महाराज, कोषाध्यक्ष महंत धीरेंद्र पुरी महाराज, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पं. महेश दास वशिष्ठ, महामंडलेश्वर जलेश्वरानंद गिरि महाराज, जूना अखाडे के मंत्री महंत गिरिशानंद गिरि महाराज आदि ने महंत भगवान गिरि महाराज को चादर ओढाकर मंदिर का विधिवत रूप से महंत नियुक्त किया। भंडारे में देश भर से आए संतों व हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारा महंत किशन गिरि महाराज की देख-रेख में हुआ। थानापति नारायण गिरि महाराज, महंत अतुल गिरि महाराज, अष्टकौशल महंत त्रिवेणी गिरि महाराज, श्रीमहंत सोम गिरि महाराज, महंत आनंदेश्वरानंद गिरि महाराज, महंत शुक्र पुरी महाराज, महंत जमुना गिरि महाराज, महंत पवन गिरि महाराज, श्रीमहंत कन्हैया गिरि महाराज, महंत विजय गिरि, थानापति दिवाकर पुरी महंत कमल गिरि महाराज आदि भी मौजूद रहे।

फागुन की खुशबू, परंपरा का स्वाद और आत्मीयता का रंग

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। 'हरे राम सेवा संस्थान' व 'लाइफ विजन फाउंडेशन' के संयुक्त तत्वावधान में का 'चोखा-बाटी एवं होली मिलन समारोह' सफलता पूर्वक बलरामपुर हाउसिंग कालोनी, प्रयागराज में सम्पन्न हुई।

जब फागुन की हवा में अबीर-गुलाल की महक में घुलने लगती है, तब रिश्तों की दूरियाँ रंगों में पिघलने लगती हैं। जब चौपाल की यादें मन में दस्तक देती हैं, तब होली केवल एक पर्व न रहकर मिलन, अपनत्व और सामाजिक समरसता का उत्सव बन जाती है। जहां उच्च नीच, अमीरी गरीब, छोटे बड़े सभी का भेद मिट जाता है। इसी भावना को जीवंत करने के उद्देश्य से हरे राम सेवा संस्थान व लाइफ विज़न फाउंडेशन के तत्वाधान में आगामी 1 मार्च 2026 (रविवार) को सायं 8.00 बजे से भारत स्काउट मंदिर के पीछे, बलरामपुर हाउस, मम्फ़ोर्डगंज, प्रयागराज में 'चोखा-बाटी एवं होली मिलन समारोह' का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय लोकसंस्कृति और पारंपरिक स्वाद का अभिनंदन है। कार्यक्रम में पारंपरिक देसी अंदाज में तैयार गरमा-गरम चोखा-बाटी का विशेष सामूहिक भोज का आयोजन किया गया जो गाँव की सोंधी मिट्टी और चौपाल की आत्मीयता की याद दिलाती रही। आयोजकों का मानना है कि साथ बैठकर भोजन करना केवल स्वाद का अनुभव नहीं, बल्कि सामाजिक समानता और भाईचारे का प्रतीक है।

संस्थान के अध्यक्ष डॉ संजय कुमार सिंह और अनंत सिंह (सहायक प्राध्यापक, सीएमपी डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) के नेतृत्व में आयोजित यह कार्यक्रम सामाजिक संवाद और सांस्कृतिक चेतना को सशक्त करने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि 'होली का वास्तविक अर्थ है– मन के मैल को धोकर रिश्तों में रंग भरना। आज जब समाज अनेक स्तरों पर विभाजनों का सामना कर रहा है, ऐसे में इस तरह के सामूहिक आयोजन हमें एक-दूसरे के और निकट लाने का माध्यम बनते हैं।'

संस्थान के सचिव डॉ. संजय कुमार सिंह (पूर्व सचिव, उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग, प्रयागराज) ने बताया कि यह समारोह सभी वर्गों के लोगों के लिए खुला है। उनका कहना है कि 'होली हमें सिखाती है कि रंग किसी जाति, वर्ग या पंथ को नहीं पहचानते। वे केवल मनुष्यता को पहचानते हैं। हमारा उद्देश्य है कि लोग एक साथ आएं, संवाद करें, मुस्कुराएं और सामाजिक सौहार्द को नई ऊर्जा दें।'

कार्यक्रम में रंगों की प्रतीकात्मक उड़ान, पारस्परिक अभिनंदन, हंसी-ठिठोली, आत्मीय मुलाकातें और सांस्कृतिक संवाद के विशेष आयाम शामिल रहे। यह संध्या प्रयागराज के सामाजिक और बौद्धिक परिवेश को एक साझा मंच प्रदान की, जहाँ परंपरा और आधुनिकता का संतुलित संगम दिखाई पड़ा।

उल्लेखनीय है कि हरे राम सेवा संस्थान विगत कई वर्षों से सामाजिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाता आ रहा है। वंचित वर्गों के सहयोग, सामुदायिक उत्सवों के आयोजन और युवा सहभागिता को बढ़ावा देने के माध्यम से संस्थान ने शहर में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। यह होली मिलन समारोह भी उसी सतत प्रयास की एक सार्थक कड़ी है।

इस कार्यक्रम में डॉ आलोक मिश्रा, गैस्ट्रो विभाग, फिनिक्स हास्पिटल, भगवती सिंह, सचिव, उ. प्र. माध्यमिक शिक्षा परिषद, डा एच के द्विवेदी, चाइल्ड स्पेशलिस्ट, भगवती नर्सिंग होम, सुनील कुमार सिंह, जिला आपूर्ति अधिकारी, डा. अजीत चौरसिया, डा बिनोद कुमार सिंह, आई स्पेशलिस्ट, डा शिवेंद्र सिंह, ईएनटी स्पेशलिस्ट, डा विनय यादव, हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉ ए. के. सिंह, प्रो. रामेन्द्र सिंह, प्रो.राकेश सिंह, प्रो. प्रतिमा सिंह, सुनिल सिंह, डीएसओ, अमित सिंह, मार्केटिंग इंस्पेक्टर, डा मंगनू सिंह अर्थ कोचिंग इंस्टिट्यूट, नागेंद्र सिंह, शुभेन्दु जी भाई साहब विभाग प्रचारक, आरएसएस, डॉ जे.एन मिश्रा, डॉ विवेक सिंह, डॉ बृजेश, डॉ बृजेश श्रीवास्तव, अतुल नारायण सिंह, डॉ मृत्युंजय परमार, डॉ मनीष सिंह, डॉ अनुज वर्मा डॉ मनीष डॉ कमल, डॉ एस पी सिंह, डॉ प्रणय किशोर, डॉ अवधेश, नितिन सिंह, अनुज कुमार सिंह, डा रजवंत सिंह, डा राकेश सिंह, डा मोंटू उर्फ निशांत यादव, विनोद पांडेय, श्याम पांडेय, राज, रोशन सिंह , रतन सिंह , पंकज कुमार , अरुण सिंह, गजेंद्र सिंह, मनोज कुमार सिंह स्टेट हेड कशिश न्यूज़ चैनल, प्रिंस जी, प्रतीक जी, मनदीप, कुलदीप, हंसराज सिंह विष्ट अपर स्थाई अधिवक्ता व कुलदीप जौहरी, मा उच्च न्यायालय तथा अन्य शहरवासी, शिक्षाविद्, सामाजिक कार्यकर्ता, व युवा वर्ग उपस्थित होकर इस रंगमय संध्या को सफल बनाया और यह संदेश दिया कि प्रेम, परंपरा और एकता के रंग कभी फीके नहीं पड़ते।

सीएपीएल 2026 : ग्रैंड फ़ाइनल मुकाबला रहा उत्साह से भरपूर

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। चार्टर्ड अकाउंटेंट्स प्रीमियर लीग (सीएपीएल) 2026 का ग्रैंड फ़ाइनल मुकाबला 01 मार्च 2026 को प्रयागराज में बेहद उत्साह और भारी जनसमूह की मौजूदगी में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय नंद गोपाल गुप्ता नंदी जी रहे। उन्होंने अपनी गरिमामयी मौजूदगी से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और खिलाड़ियों और उपस्थित जनसमूह को प्रेरणा दी। उन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंट्स कम्युनिटी के भीतर ऐसे खेल आयोजन की सराहना करते हुए सभी प्रतिभागियों को उनके समर्पण एवं टीम भावना के लिए बधाई दी। बहुप्रतिक्षित फ़ाइनल मुकाबला टैक्स वॉरियर्स और वेल्थ क्रिएटर्स के बीच खेला गया। टॉस टैक्स वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 178/7 का प्रभावशाली स्कोर बनाया। जवाब में वेल्थ क्रिएटर्स ने संघर्षपूर्ण प्रदर्शन किया, लेकिन 20 ओवर में 152/7 रन ही बना सके और 26 रन से मुकाबला हार गए। इस प्रकार टैक्स वॉरियर्स ने 26 रन से विजय प्राप्त कर सीएपीएल 2026 की प्रतिष्ठित ट्रॉफी अपने नाम की। टीम के कप्तान सीए संजय खंडूजा ने जीत के बाद अपने साथियों, संचालकों एवं समर्थकों का आभार व्यक्त किया और पूरी टीम के सामूहिक प्रयास को इस सफलता का श्रेय दिया। शाखा प्रबंध समिति के सदस्य – सीए शुभम अग्रवाल (अध्यक्ष), सीए अभिनव कोहली (उपाध्यक्ष), सीए शैंकी कसेरा (सचिव), सीए अता-उर-रहमान (कोष अध्यक्ष), सीए रोहन केसरवानी (सीए स्टूडेंट्स एसोसिएट हेड, प्रयागराज) एवं सीए सुशील कुमार शुक्ला (तत्कालीन पूर्व अध्यक्ष) – ने माननीय नंदी जी का कार्यक्रम में पधारने हेतु हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने सीए संजय खंडूजा एवं सीए सुमित अग्रवाल को टीम की शानदार जीत के लिए बधाई दी तथा सीए दीपक प्रजापति एवं उनकी टीम को उपविजेता रहने पर सराहना दी। समिति ने सभी प्रायोजकों, मीडियाकर्मियों, स्टाफ सदस्यों एवं प्रतिभागियों का भी हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया, जिनके सहयोग एवं समर्पण से सीएपीएल 2026 का सफल आयोजन संभव हो सका।

गांव-गांव, बूथ - बूथ संगठन को किया जा रहा मजबूत : शिवदत्त शुक्ला

राष्ट्रीय परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष ने पदाधिकारियों को दिया निर्देश, कहा कि समस्याओं का होगा त्वरित निस्तारण

प्रदेश के 17 जिलों में संगठन का हो चुका है गठन : प्रदेश अध्यक्ष

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। राष्ट्रीय परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष शिवदत्त शुक्ला ने होली पर्व पर आज सभी जिलाध्यक्षों, महामंत्रियों, उपाध्यक्षों, कोषाध्यक्षों, संयोजकों और कार्यकर्ताओं को होली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं है, यह सामाजिक एकता, संगठन की शक्ति और आपसी विश्वास का प्रतीक है। जैसे विभिन्न रंग मिलकर एक सुंदर चित्र बनाते हैं, वैसे ही आप सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मिलकर राष्ट्रीय परशुराम सेना को सशक्त, संगठित और प्रभावशाली बनाते हैं।

राष्ट्रीय परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष शिवदत्त शुक्ला कि हम गांव-गांव, बूथ - बूथ तक संगठन को मजबूत करने का संकल्प लें। हर जिला अध्यक्ष अपने जिले में, हर पदाधिकारी अपने क्षेत्र में और हर कार्यकर्ता अपने गांव में संगठन की मजबूती के लिए सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होने कहा कि बूथ स्तर तक हमारी उपस्थिति और सक्रियता असली ताकत है।

राष्ट्रीय परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष शिवदत्त शुक्ला ने कहा कि यदि किसी भी कार्यकर्ता, पदाधिकारी या साथी को किसी भी प्रकार की समस्या, कठिनाई या सुझाव हो, तो वह सीधे प्रदेश अध्यक्ष तक पहुंचाए, उस समस्या का शीघ्र निस्तारण होगा। राष्ट्रीय परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष शिवदत्त शुक्ला ने कहा कि संगठन परिवार है, और परिवार में संवाद सबसे बड़ी शक्ति होती है। हम सब एक - दूसरे के साथ खड़े हैं और हर परिस्थिति में साथ रहेंगे।

राष्ट्रीय परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष शिवदत्त शुक्ला ने कहा कि प्रदेश के 17 जिलों में कार्यकारिणी का गठन हो चुका है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश कृष्ण पाण्डेय, प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल कुमार द्विवेदी, प्रदेश महामंत्री अमित प्रताप शुक्ल, प्रदेश मीडिया प्रभारी गंगा प्रसाद दुबे, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राकेश मिश्र है। उन्होंने बताया कि भदोही जिलाध्यक्ष रचना चौबे, जौनपुर पप्पू पाण्डेय, आगरा प्रदीप शर्मा, प्रयागराज ओम प्रकाश दूबे, कौशाम्बी सतीश शुक्ला और चित्रकूट जिलाध्यक्ष सुनील द्विवेदी है।

पिस्ता के बाद ईरानी केसर पर भी महंगाई का हमला

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमले के चलते मेवा के भाव में तेजी से उछाल आने लगा है। शहर के बाजारों में पहले पिस्ता का भाव उछला। अब ईरानी केसर के भाव में 400 रुपये तक का उछाल आया है। ईरानी केसर का थोक भाव सोमवार प्रयागराज में 2900 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया। एकदिन पहले तक ईरानी केसर 2500 रुपये प्रति 10 ग्राम उपलब्ध था। रविवार को पिस्ता और काला जीरा के भाव में उछाल आने के बाद ईरान या खाड़ी के देशों से आयात होने वाले अन्य उत्पादों के दाम बढ़ने के कयास लगाए जा रहे थे।

इससे पहले शहर के थोक बाजार में पिस्ता का भाव 150 रुपये प्रति किलो उछला था। पिस्ता के साथ काला जीरा के भाव में भी 100 रुपये का उछाल आया। पुराने शहर के मेवा कारोबारी पीयूष अग्रवाल बताते हैं कि पिस्ता और केसर के भाव में आई वृद्धि खाड़ी युद्ध का असर है, लेकिन अभी मेवा का संकट नहीं है। युद्ध अधिक दिनों तक जारी रहा तो मेवा के साथ कई सामानों के दामों पर असर दिखाई देगा।

जिलाध्यक्ष ने डिप्टी सीएम से मिलकर दी बधाई

प्रयागराज। भाजपा गंगापार जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान ने सोमवार को लखनऊ पहुंचकर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से उनके सरकारी आवास पर मिलकर होली की शुभकामनाएं दी। साथ ही जर्मनी दौरे पर 200 करोड़ रुपए का निवेश यूपी लाने के लिए बधाई दी। जिला उपाध्यक्ष अनिरुद्ध सिंह पटेल, राम पलट पटेल, जिला महामंत्री मनोज निषाद, जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी, सचिन गोस्वामी, श्याम सुंदर दुबे, महेश पांडेय, ब्लॉक प्रमुख शशांक मिश्रा आदि मौजूद रहे।

कैफे अकासा ने अपने खास त्योहारी भोजन के साथ होली के जश्न को फिर से शुरू किया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। कैफे अकासा, जो अकासा एयर की ऑनबोर्ड भोजन सेवा है, ने अपना चौथा होली विशेष भोजन पेश किया है। यह खास भोजन रंगों के त्योहार होली को स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ मनाने के लिए तैयार किया गया है। पारंपरिक होली व्यंजनों से प्रेरित इस विशेष भोजन में क्लब कचौरी के साथ दम आलू, ठंडाई गुजिया और आपकी पसंद का पेय शामिल है।

रंग में भंग डालने वाले जाएंगे जेल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। होली पर शांति व्यवस्था कायम रखने के पुलिस की ओर से कड़े इंतजाम किए गए हैं। डीसीपी नगर मनीष शांडिल्य ने सोमवार की शाम पुलिस, पीएसी व आरएएफ जवानों के साथ चौक व आसपास के इलाकों में पैदल मार्च कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि सभी होलिका दहन स्थल पर पुलिस की तैनाती है। होली पर ड्रोन व सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। इसके अलावा सोशल मीडिया पर भी नजर रखने के लिए टीम गठित है। उन्होंने कहा कि शांति व्यवस्था भंग करने और अराजकता फैलाने वालों को सीधे जेल भेजा जाएगा। वहीं सोमवार शाम को शहर के प्रमुख बाजारों में पुलिस और आरएएफ के जवानों ने मार्च किया।

होली के अवसर पर जिले के सभी क्षेत्रों में अफसरों को विशेष तैनाती की गई है। डीएम मनीष कुमार वर्मा ने सभी अफसरों को तीन दिनों तक दिए गए ड्यूटी चार्ट के अनुसार काम करने के लिए निर्देश दिए। सोमवार को उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभी फील्ड में रहें और हर घटना की अपडेट देते रहें। विशेष कर मिश्रित आबादी वाले इलाकों में अफसरों को विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस वक्त रमजान भी चल रहा है और होली का पर्व भी, ऐसे में टीम सभी जगह नजर रखें। मोहल्ला स्तर पर लेखपालों की ड्यूटी लगाई गई है, जबकि एसडीएम स्तर अपनी तहसील के जोनल अफसर होंगे। एडीएम स्तर के अफसरों को सुपर जोनल अफसर के रूप में तैनाती की गई है।

राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में कंपोजिट विद्यालय सुजौना के तीन बच्चे चयनित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा का परिणाम रविवार को घोषित कर दिया गया जिसमें कंपोजिट विद्यालय सुजौना जसरा के तीन बच्चों का चयन हुआ है। अंशिका यादव रैंक 46 रागिनी यादव रैंक 49 अंशु रैंक 62 हासिल किया है।यह चयनित बच्चे बारह हजार रुपए प्रति वर्ष के हिसाब से चार वर्षों तक यह छात्रवृत्ति प्राप्त करेंगे। विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्यामाकांत द्विवेदी चयनित बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि इन बच्चों की सफलता से विद्यालय के और बच्चे प्रेरित होंगे।यह अन्य बच्चों के लिए बहुत प्रोत्साहन प्रदान करेगा। इंटरमीडिएट तक यह बच्चे छात्रवृत्ति प्राप्त करेंगे। विद्यालय के शिक्षकों भारतेन्द्र कुमार त्रिपाठी, सुनील कुमार शुक्ल, इरफ़ान अहमद , नाज़िया सुल्ताना, जितेन्द्र कुमार शर्मा, शरद कुमार, आशीष कुमार गुप्ता, शिशिर जायसवाल, राकेश कुमार, पूनम तिवारी और पंकज कुमार गुप्ता ने चयनित बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना किया।

महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर में मनाया गया होली मिलन समारोह

अपने अवगुणों, दोषों को दहन होली में करने का लें संकल्प : प्रो कृष्णा गुप्ता

प्रेम, सौहार्द, एकजुटता के साथ मनाएं होली : अल्पना डे

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर (एमपीवीएम) के 'रमन सभागार' में असत्य पर सत्य की विजय का पावन पर्व होली हर्षोल्लास के साथ आज मनाया गया। समारोह में विद्यालय की सचिव प्रो कृष्णा गुप्ता, प्रधानाचार्या श्रीमती अल्पना डे, विद्यालय की प्रभारी संचालिकाएं एवं शिक्षक - शिक्षिकाओं ने पावन पर्व का आनंद लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के संगीत शिक्षक शिव शंकर के फाग ' ए री मैका पिचकारी न मारो नंदलाला रे....' गीत से हुआ उसके पश्चात् श्रीमती अंबिका और सुश्री अंशुल मालवीय ने ' आज बिरज में होली रे रसिया' गीत पर जुगलबंदी की जिसने माहौल को संगीतमय बना दिया। शिवशंकर, श्रीमती अंबिका एवं सुश्री अंशुल ने ' रंग डारूंगी नंद के लालन पे .....' गीत से सभी को होली के आनन्द से अभिभूत कर दिया ।

विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती शक्ति ने प्रस्तुत होली पर विशेष काव्य पाठ ने सभी के मन को होली की मस्ती और उमंग से भर दिया। विद्यालय की शिक्षिकाओं सिंथिया , पलक, प्राची व रुचि ने गीत ' अरे जा रे हट नटखट.. ' गीत पर मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने होली उत्सव में भाग लिया और साथ मिलकर अबीर गुलाल से होली खेली, जिससे विद्यालय परिसर होली के रंगों से सराबोर हो गया और सभी ने मिलकर होली के पारंपरिक गीतों का आनंद लिया ।

विद्यालय की सचिव श्रीमती कृष्णा गुप्ता ने सभी को होली की शुभकामना देते हुए होली के पीछे छिपी हुई राधा और कृष्ण की कथा को बताया और इस होली में अपने अवगुणों और दोषों को दहन करने का संकल्प लेने की प्रेरणा दी। प्रधानाचार्या श्रीमती अल्पना डे ने प्रेम सौहार्द और भाई - चारे के इस त्यौहार पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें प्रेम, सौहार्द और एकजुटता के साथ यह त्योहार मनाना चाहिये।

अमर क्रांतिकारियों के संग रंग भरी खेली गई फूलों की होली

क्रांतिकारियों ने अपने खून की होली खेलकर हमें आजादी दिलाई है : राजेश केसरवानी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। अमर क्रांतिकारी श्रद्धांजलि ग्रुप द्वारा मुंशी राम प्रसाद की बगिया मुट्ठीगंज में अमर क्रांतिकारियों के संग होली के रंग का आयोजन किया गया इस अवसर मां भारती की स्वाधीनता के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले अमर क्रांतिकारियों को स्मरण करते हुए उनके संग रंग भरी फूलों की होली खेली गई इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व पार्षद विजय वैश्य, इलाहाबाद सराफा व्यापार मंडल के अध्यक्ष दिनेश सिंह एवं श्रद्धांजलि ग्रुप के अध्यक्ष राजेश केसरवानी ने वीर सपूतों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि मां भारती के सपूतों ने अपने खून से होली खेल कर हमें आजादी दिलाई और आजादी के साथ होली मनाने का अवसर प्रदान किया है जिसे हमें कभी नहीं भूलना चाहिए। कार्यक्रम संयोजक अभिलाष केसरवानी रहे। संचालन अजय अग्रहरि ने किया। इस अवसर शहीदों के संग होली खेलने वालो में सुशील जैन, शत्रुघ्न जायसवाल, अतुल खन्ना, श्याम जी अग्रवाल, राजा मेहरोत्रा, कमलेश केसरवानी, सुमित केसरवानी, धीरज केसरवानी, श्रेष्ठ चौरसिया, दीपक केसरवानी सुनील केसरवानी विजय कृष्ण मेहता आदि।

कालिंदी से आ रहे एसी से जनरल कोच तक के यात्री हुए परेशान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। होली पर घर लौटने के लिए प्रयागराज आने वाले यात्रियों को ट्रेनों में परेशानी का सामना करना पड़ा। कई ट्रेनों में इतनी भीड़ रही कि आरक्षित सीटों पर भी कब्जा हो गया, जिससे यात्रियों को हेल्पलाइन नंबर और सोशल मीडिया के माध्यम से शिकायत करनी पड़ी। जनरल बोगियों में हालात सबसे ज्यादा खराब रहे, जहां यात्रियों को खड़े होकर और फर्श पर बैठकर सफर करना पड़ा। स्पेशल ट्रेनों की लेटलतीफी ने भी यात्रियों की परेशानी बढ़ा दी। भिवानी से प्रयागराज आ रहे हिमांशु केसरवानी जनरल बोगी में सफर कर रहे थे। उन्होंने बताया कि कोच में इतनी भीड़ थी कि बाथरूम तक जाना मुश्किल हो गया था।

भीड़ में महिलाएं और बच्चे काफी परेशान थे। उन्होंने ट्रेन का वीडियो बनाकर एक्स पर शिकायत की और रेलवे से व्यवस्था सुधारने की मांग की। इसी ट्रेन से प्रयागराज आ रहे इंजीनियर प्रमांशु मिश्र ने भी एक्स पर शिकायत करते हुए बताया कि उनकी ए-2 बोगी में आरक्षित सीट थी, लेकिन उस पर किसी अन्य यात्री ने कब्जा कर लिया था। शिकायत के बाद रेलवे अधिकारियों ने उनसे संपर्क नहीं किया और न उन्हें उनकी सीट दिलाई। नई दिल्ली, मुम्बई और अन्य बड़े शहरों से आने वाली ट्रेनों में भी भारी भीड़ रही। कई ट्रेनों की स्लीपर बोगियों की स्थिति जनरल कोच जैसी हो गई थी। गेट से लेकर बाथरूम तक यात्री बैठे नजर आए। प्रयागराज से संचालित होने वाली ट्रेनों में रेलवे ने विशेष सतर्कता बरती। डॉ. आंबेडकर नगर एक्सप्रेस और प्रयागराज एक्सप्रेस में आरपीएफ ने यात्रियों को कतार बनाकर जनरल बोगी में चढ़ाया। इसके अलावा अन्य ट्रेनों में भी गेट पर बैठने वालों को हटाया गया और व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास किया गया। रेल के साथ-साथ बस से सफर करने वाले यात्रियों को भी परेशानी झेलनी पड़ी। पूर्वांचल की ओर जाने वाले यात्रियों को शहर से झूंसी तक जाना पड़ा, जबकि मध्यप्रदेश की ओर से आने वाले यात्रियों को भी शहर पहुंचने में दिक्कत हुई।

मंत्री नन्दी ने होली के शुभ अवसर पर अपनों से की मुलाकात

अबीर गुलाल लगाकर रंगोत्सव की दी शुभकामनाएं

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। रंग, उमंग और सामाजिक समरसता के पावन पर्व होली के शुभ अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने सोमवार को बहादुरगंज स्थित आवास पर भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, व्यापारियों, समर्थकों एवं स्थानीय लोगों से मुलाकात कर, अबीर गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। प्रयागराज की पूर्व महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने भी सभी को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी।

इस उल्लासपूर्ण अवसर पर परिवारजनों, स्नेही मित्रों, पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ गुलाल लगाकर होली की आत्मीय शुभकामनाएं साझा कीं।

मंत्री नन्दी ने कहा कि परस्पर प्रेम, अटूट विश्वास और भाईचारे का यह संगम समाज में नई ऊर्जा और सकारात्मकता के संचार का प्रतीक है। ईश्वर से मंगलकामना है कि यह पर्व हम सभी के जीवन में सुख-समृद्धि लाए तथा लोक-कल्याण के संकल्प को और अधिक सुदृढ़ करे।

होली से पूर्व गूंजा भाईचारे का संदेश

हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई ने मिल कर खेली होली

मंत्र भारत संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। होली से पहले नैनी क्षेत्र के चकभट्टाही यादव मार्केट में सामाजिक सौहार्द और भाईचारे का अनूठा उदाहरण देखने को मिला। कार्यक्रम का आयोजन एवं नेतृत्व समाजवादी पार्टी नगर दक्षिणी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष धीरेन्द्र यादव 'धीरू' ने किया, जो व्यापार मंडल के मंत्री एवं मानस रामलीला समिति के अध्यक्ष भी हैं।

इस अवसर पर हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई समाज के लोगों को एक साथ एक मंच पर आमंत्रित कर उनका सम्मान किया गया तथा सभी को होली की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में 'भारत के रहने वाले, भारत मां के बेटे' का संदेश देते हुए आपसी प्रेम, सद्भाव और एकता को मजबूत करने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम के उपरांत धीरेंद्र यादव 'धीरू' द्वारा मलिन बस्ती के छोटे बच्चों के बीच पिचकारी, रंग, गुलाल, मिठाई और गुजिया वितरित की गई। बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और उत्साह देखने लायक था।

कार्यक्रम में शहर कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता नयन कुमार कुशवाहा, राकेश श्रीवास्तव, आयुष मिश्रा, शहर दक्षिणी उपाध्यक्ष रवि गुप्ता, शहर दक्षिणी विधानसभा अध्यक्ष पीर मोहम्मद अजहर, अहमद रजा, सेक्टर प्रभारी महेश यादव, कमल कुरैशी, अजय यादव, विशेष कुशवाहा, जोनल प्रभारी अंकित यादव 'चंचल', हरजीत मरवा, सुभाष केसरवानी, विनोद जैकब, शकील अहमद, राजेश थापा, राजेश सागर, दीपक, सुरेंद्र सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

एआई सम्मेलन- भारत की अभूतपूर्व सफलता और व्यथित कांग्रेस

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन में आए विश्व के बड़े बड़े नेता इस पहल से अचंभित थे और भारत की प्रगति की प्रशंसा करते नहीं थक रहे थे। बड़ी बड़ी एआई कंपनियां व निवेशक भारत के साथ समझौते कर रही थीं। जन सामान्य गर्वित हो रहा था क्योंकि यहाँ भारत की युवा प्रतिभाओं की सराहना हो रही थी। सदा से ही राष्ट्र विमुख रही कांग्रेस पार्टी से ये देखा नहीं गया और उनके कुछ चुनिंदा कार्यकर्ता वहां अर्धनग्न होकर प्रदर्शन करने पहुँच गए। वास्तव में अब कांग्रेस पार्टी अब प्रधानमंत्री मोदी व भाजपा का विरोध करते -करते पूरी तरह भारत विरोधी हो गई है।

कांग्रेस का यह विरोध ऐसा ही था जैसे जब प्राचीन काल में जब ऋषि गण अपने आश्रमो मे किसी अच्छे कार्य के लिए यज्ञादि करते थे तो कुछ राक्षस उस यज्ञ को अपवित्र करने के लिए यज्ञकुंड में हड्डियां डालकर उसे अपवित्र करने का प्रयास करते थे। कांग्रेस ने जो कृत्य विदेशी मेहमानों के समक्ष किया है उससे स्पष्ट है कि कांग्रेस घोर अराजकतावादी बन चुकी है जिसकी अब सारी उम्मीदें समाप्त होती जा रही हैं।

एआई समिट कांग्रेस द्वारा की गई इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से भारत का जेन- जी भी नाराज़ है जिसको भड़काकर कांग्रेस सड़क पर लाना चाहत है। भाजपा कांग्रेस द्वारा दिए गए इस अवसर को गंवाना नहीं चाहती । पार्टी की तरफ से संपूर्ण भारत में कांग्रेस कर्यालयों के बाहर धरना -प्रदर्शन आयोजित हो रहे हैं। मेरठ में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी भी कांग्रेस पर हमलावर हुए और कहा कि कांग्रेस ने एआई समिट को अपनी नग्न राजनीति का अखाड़ा बना दिया है। उन्होंने कांग्रेस से पूछा कि देश तो जानता ही है कि आप पहले से ही नंगे हो फिर कपड़े उतारने की जरूरत क्यों पड़ी? यह दिखाता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस अब वैचारिक रूप से कितनी दिवालिया और दरिद्र हो गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने मीडिया से अपील करते हुए कहा कि जब मैं कांग्रेस की आलोचना करता हूं तो ऐसी सुर्खियां न चलाएं कि मोदी ने विपक्ष पर हमला बोला। कांग्रेस को बचाने की ये चालाकियां बंद करें।

इस पूरे घटनाक्रम में कांग्रेस को सपा बसपा सहित कई अन्य छोटे क्षेत्रीय दलो का समर्थन नहीं मिला है जिनको कांग्रेस इंडी ब्लॉक की पार्टियाँ कहती है। कांग्रेस के इस कृत्य का लालू यादव की पार्टी राजद ने भी कड़ा विरोध किया है। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी विरोध किया है। कांग्रेस ने इस तरह का प्रदर्शन करके सहयोगी दलों के बीच भी अपनी फजीहत करवा ली है। आगामी समय में यह दल कांग्रेस से दूरी बनाने पर विचार भी कर सकते हैं यही कारण हे कि इन सभी दलों की प्रधानमंत्री मोदी ने सराहना की है।

कांग्रेस के नेता और प्रवक्ता जिस प्रकार टी वी चैनलों व सोशल मीडिया पर इस हरकत को सही ठहरा रहे हैं उससे स्पष्ट है कि यह कांग्रेस पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की ही योजना थी। उनका कहना है कि लोकतंत्र मे अपनी बात कहने और सरकार का विरोध करने का अधिकार सबको है, उन्होंने अपने संवैधानिक अधिकारों का प्रयोग किया है। कांग्रेसी कार्यकर्ताओं की इस हरकत से पुराने परंपरागत कांग्रेसी से भी खुश नहीं हैं और अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहे है। पुराने कांग्रेस नेताओं को इस घटना से कोई हैरानी नहीं है अपितु उनका कहना है कि यह बदली हुई कांग्रेस की बदलती हुई संस्कृति की निशानी है। कांग्रेस नेता शशि थरूर भी एआई समिट को अत्यंत सफल आयोजन बता रहे हैं और कांग्रेस के अर्धनग्न प्रदर्शन की निंदा कर रहे हैं। दरअसल प्रधानमंत्री मोदी की छवि को नुकसान पहुंचाने के चक्कर में कांग्रेस ने भारत की छवि व भारतीय संस्कृति को नुकसान पहुंचाया और इस तरह होली के स्वागत में अपने मुंह पर ही कालिख मल ली।

कांग्रेस के नेताओं की दिली इच्छा रही है कि किसी न किसी प्रकार से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भारत की छवि को पूरी दुनिया में खराब किया जाए और भारत में बांग्लादेश व नेपाल जैसी अराजकता का वातावरण पैदा कर अपना स्वार्थ सिद्ध किया जाए किंतु उसका यह सपना पूरा नहीं हो पा रहा है और यही कारण है कि कांग्रेस हताश होकर नंगी राजनीति पर उतर आई है।

ईरान-इजराइल युद्ध : क्या मध्य-पूर्व एक और 'महायुद्ध' की दहलीज पर है?

ईरान पर अमेरिका-इजराइल के व्यापक हमले को दो दिन हुए हैं, यह पहले से ही साफ है कि इसका मध्य-पूर्व और खासकर खाड़ी पर गहरा असर पड़ेगा। अमेरिका-इजराइल की बमबारी में कई बड़े अधिकारियों के साथ सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और उनके परिवार के लोग भी मारे गए हैं। ईरान में 40 दिन का शोक है। तेहरान ने न सिर्फ इजराइल बल्कि इस इलाके के कई देशों पर हमले करके जवाब दिया है।

सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, कुवैत और ओमान सभी पर ईरानी मिसाइलों या ड्रोन से हमला किया गया, जबकि इनमें से किसी भी देश ने अपने इलाके से ईरान पर हमला नहीं किया था। इन देशों में कई जगहों को निशाना बनाया गया, जिनमें अमेरिकी सैन्य अड्डे, हवाई अड्डे, बंदरगाह और वाणिज्यिक इलाके भी शामिल थे।

अगर यह लड़ाई लंबी खिंचती है, तो यह खाड़ी देशों के लिए एक असली बदलाव बिंदु बन सकती है। एक ऐसा मोड़, जो देशों की सुरक्षा, उभयपक्षीय सहयोग और यहां तक कि उनके लंबे समय के आर्थिक भविष्य के बारे में सोचने के तरीके को बदल देगा। ईरान से जुड़ा कोई भी लंबा संघर्ष समुद्री यातायात को प्रभावित करेगा, खासकर होर्मुज की खाड़ी, जो दुनिया की आर्थिक धमनियों में से एक है। थोड़ी बहुत रुकावट से ऊर्जा की कीमते तेज हो जाएंगी, जो निवेशकों के लिए नई चिंता पैदा कर सकती हैं।

हां, तेल की ज्यादा कीमतें अल्पकालिक राजस्व को बढ़ा सकती हैं, फिर भी ऊर्जा बाजार असंतुलित हो जाएगा। क्या ट्रंप तेल की कीमतों में भी उछाल चाहते थे? चीन और रूस ज्यादा देर चुपचाप नहीं रहेंगे। मास्को यदि सीधा नहीं भी कूदा, मगर इस उथल-पुथल का फायदा उठाकर हथियारों की बिक्री बढ़ा सकता है, वह क्षेत्रीय बंटवारे का भी लाभ उठा सकता है।

इस संदर्भ में जो वार्ता जिनेवा में चल रही थी, उसे ठीक से देखा जाए तो जो लोग मध्यस्थता कर रहे थे, उन्हें भी भरोसे में नहीं लिया गया। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराकची ने वार्ता के इस दौर को, जो ओमान की मध्यस्थता और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजंसी के महानिदेशक राफेल ग्रासी की उपस्थिति में आयोजित किया गया था, आज तक की 'सबसे गंभीर और सबसे लंबी' वार्ता बताया था।

ईरान के विदेश मंत्री ने वार्ता के माहौल और ओमान की मध्यस्थता की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा था कि कुछ मुद्दों पर सहमति बहुत करीब आ गई है। बेशक, अभी भी मतभेद मौजूद हैं, जो स्वाभाविक है, लेकिन पहले की तुलना में बातचीत के समाधान तक पहुंचने के लिए दोनों पक्षों में अधिक गंभीरता देखी जा रही है।

उधर ईरान के विदेश मंत्री की घोषणा के अनुसार, 'इस बात पर सहमति हुई कि सोमवार से तकनीकी टीमें वियना में और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजंसी में विशेषज्ञ समीक्षा शुरू करेंगी। इस बैठक का उद्देश्य कुछ तकनीकी मुद्दों को एक निश्चित ढांचे में व्यवस्थित करना बताया गया है।' अराकची के मुताबिक, यह तय हुआ था कि हमारे विशेषज्ञों की अगले सोमवार को एजंसी के साथ बैठक होगी। वहां कुछ तकनीकी पहलुओं पर चर्चा की जानी है, ताकि ये तकनीकी पहलू स्पष्ट हो सकें, जिसके बाद हम राजनीतिक बैठकों में उन पर निर्णय ले सकें।'

अराकची के बयानों से निकट भविष्य में वार्ता के चौथे दौर के आयोजन की योजना की भी जानकारी मिली कि यह बैठक लगभग एक सप्ताह में आयोजित होगी। इस अंतराल में दोनों पक्षों को कुछ कदम उठाने होंगे, दस्तावेज तैयार करने होंगे और स्वाभाविक रूप से अपनी-अपनी राजधानियों में आवश्यक परामर्श करने होंगे। प्रतिबंधों को लेकर ईरान के रुख को स्पष्ट करते हुए जोर दिया गया कि तेहरान की अपेक्षाएं स्पष्ट रूप से रखी गई हैं।

अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अमेरिका के रणनीतिक सहयोगी ओमान से भी इस सैन्य कार्रवाई की सूचनाओं को साझा नहीं किया गया था। ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी ने जिनेवा में ईरान और अमेरिका के बीच अप्रत्यक्ष वार्ता के तीसरे दौर को 'रचनात्मक और सकारात्मक' विचारों के आदान-प्रदान वाला बताया था और इन वार्ताओं का समर्थन जारी रखने के लिए ओमान की प्रतिबद्धता पर जोर दिया था। ओमानी विदेश मंत्री बद्र बिन हमद अल बुसैदी ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से मुलाकात के बाद कहा था कि परमाणु बातचीत अब तक की सबसे सकारात्मक, अहम और उपलब्धियों वाली थी।

मगर क्या वाइट हाउस ने पहले से तय कर रखा था कि बातचीत के धोखे में हमला किया जाएगा? ईरान से आने वाली खबरों से पता चलता है कि तेहरान में यूनिवर्सिटी स्ट्रीट और जोम्हौरी इलाके में तथा ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स मुख्यालय के पास हमला किया गया। इसके अलावा, अलग-अलग खबर आईं कि ईरान की राजधानी में एक हमला सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के दफ्तर के पास हुआ। तेहरान के उत्तरी सैय्यद खानदान इलाके में भी धमाके हुए। तबरीज, कर्मनशाह, काम, इलाम, इस्फाहान, लारेस्तान जैसे शहरों में बमबारी हुई है।

अभी दो बातें स्पष्ट नहीं है कि लड़ाई कितने दिनों तक छिड़ी रहेगी। इसके अलावा, क्या लेबनान से हिजबुल्ला और यमन में हूती विद्रोही इजराइल के विरुद्ध हमले करेंगे। तेहरान इस पर सहमत था कि वह बैलिस्टिक मिसाइलों के जखीरे को कम कर देगा। तेहरान सिविल न्यूक्लियर यूरेनियम के प्रसंस्करण पर लगी पाबंदियों पर बात करने में लचीला रुख दिखा चुका था, लेकिन अपनी मिसाइलें पूरी तरह से समाप्त करने पर वह सहमत नहीं था।

सबसे दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि विएना में बैठे रणनीतिकार इजराइल के पास नाभिकीय हथियारों और मिसाइलों की बात कभी नहीं उठाते। यह नहीं पूछा जाता कि इजराइल के पास नब्बे परमाणु हथियार हैं या दो सौ! वह ऐसे हथियारों की मौजूदगी की न तो पुष्टि करता है और न ही खंडन। माना जाता है कि वह मिसाइलों, पनडुब्बियों और विमानों से परमाणु हथियार दागने में सक्षम है। 2024 में इजराइल ने अपने परमाणु बमों के निर्माण और रखरखाव पर 11 बिलियन अमेरिकी डालर खर्च किए थे। अगर केवल परमाणु हमले की धमकी भर को लेकर ईरान पर हमला किया जा सकता है, तो उस तरह की धमकी पाकिस्तान कई बार भारत को दे चुका है।

ईरान पर हमला ऐसे वक्त हुआ है, जब पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच बमबारी चल रही है। पाकिस्तान ने इस सैन्य अभियान को आपरेशन 'गजब लिल-हक' नाम देते हुए खुली जंग का एलान कर दिया है। पाकिस्तान का दावा है कि उसके हमले में 130 से अधिक तालिबान लड़ाके मारे गए हैं। यह कितना अजीब है कि जो डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान और भारत के बीच युद्ध विराम का छद्म दावा गाहे-बगाहे करते रहते हैं, उनके बारह महीनों के कार्यकाल में सात देशों पर हमले हुए और एक नेता को बंदी बनाया गया। सबसे दुख की बात यह है, कि ट्रंप की एकतरफा कार्रवाई पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय मूकदर्शक बना हुआ है।

अज्ञान से आत्मबोध तक : जीवन की वास्तविक स्वतंत्रता का मार्ग

मनुष्य का जीवन केवल सांस लेने और भौतिक सुविधाओं के उपभोग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह चेतना, अनुभव और आत्मबोध की निरंतर यात्रा है। जब तक मनुष्य अज्ञान के अंधकार में भटकता रहता है, तब तक वह बाहरी स्वतंत्रता के बावजूद भीतर से बंधा रहता है। अज्ञान से बाहर निकलना, अनुभव और संघर्ष से सीखना, संवेदनशीलता विकसित करना और आत्मकेंद्रित दृष्टि से ऊपर उठकर मानव-कल्याण के उद्देश्य से जुड़ना, यही जीवन की सर्वोच्च उपलब्धि और वास्तविक स्वतंत्रता का मार्ग है।

अज्ञान मनुष्य के जीवन का सबसे बड़ा बंधन है। यह केवल ज्ञान के अभाव का नाम नहीं, बल्कि सत्य से दूरी, पूर्वाग्रहों की जकड़न और आत्मबोध के अभाव की स्थिति है। जब मनुष्य केवल परंपराओं, रूढ़ियों और सुनी-सुनाई बातों के आधार पर सोचता है, तब वह अपने विवेक और चेतना का उपयोग नहीं कर पाता। अज्ञान उसे भय, संकीर्णता और भ्रम में बांध देता है। वह सत्य को देखने के बजाय सुविधा के अनुसार सोचता है और अपने हित को ही सर्वोच्च मान लेता है। ऐसी स्थिति में वह न तो स्वयं को समझ पाता है और न समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को।

इसलिए सच्ची मुक्ति का पहला चरण अज्ञान के अंधकार से बाहर निकलना है, जहां मनुष्य प्रश्न करना सीखता है और अपने भीतर छिपी चेतना को पहचानता है। अनुभव मनुष्य को जीवन की वास्तविकताओं से परिचित कराता है। पुस्तकें और उपदेश दिशा तो दे सकते हैं, पर जीवन की गहराई का बोध अनुभव से ही होता है। सुख और दुख, सफलता और असफलता, प्रेम और पीड़ा, ये सभी अनुभव मनुष्य के दृष्टिकोण को परिष्कृत करते हैं।

जब मनुष्य अपने अनुभवों से सीखता है, तब वह केवल परिस्थितियों का शिकार नहीं रहता, बल्कि उन्हें समझने और उनसे आगे बढ़ने की क्षमता विकसित करता है। अनुभव उसे यह सिखाता है कि जीवन निरंतर परिवर्तनशील है। इसमें छिपी सीख ही उसे परिपक्व बनाती है।

संघर्ष इस सीख को और अधिक गहराई देता है। जब मनुष्य कठिन परिस्थितियों से गुजरता है, तब उसकी वास्तविक शक्ति प्रकट होती है। संघर्ष उसे सहनशीलता, धैर्य और आत्मविश्वास प्रदान करता है।

जो व्यक्ति संघर्ष से भागता है, वह जीवन की परीक्षा में कमजोर पड़ जाता है, जबकि संघर्ष मनुष्य को यह एहसास कराता है कि जीवन की सार्थकता केवल आराम में नहीं, बल्कि चुनौतियों का सामना करने में है। यही संघर्ष धीरे-धीरे उसे अज्ञान से ज्ञान की ओर, भय से साहस की ओर और निराशा से आशा की ओर ले जाता है। संवेदनशीलता मनुष्य को केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी सोचने की क्षमता देती है। जब मनुष्य दूसरों के दुख, पीड़ा और संघर्ष को महसूस करता है, तब उसके भीतर करुणा और सहानुभूति जन्म लेती है।

संवेदनशील व्यक्ति केवल अपनी सफलता से संतुष्ट नहीं होता, बल्कि समाज की समस्याओं को भी समझता है। वह जानता है कि उसकी मुक्ति केवल व्यक्तिगत नहीं हो सकती, क्योंकि वह समाज का ही हिस्सा है। संवेदनशीलता मनुष्य को आत्मकेंद्रित दृष्टि से बाहर निकालकर व्यापक मानवता से जोड़ती है। आत्मकेंद्रित दृष्टि मनुष्य के विकास में सबसे बड़ा अवरोध है। जब मनुष्य केवल अपने लाभ, प्रतिष्ठा और सुविधाओं के बारे में सोचता है, तब उसका दृष्टिकोण संकीर्ण हो जाता है।

वह समाज को केवल अपने स्वार्थ की पूर्ति का साधन समझने लगता है। ऐसी स्थिति में वह चाहे कितना ही सफल क्यों न हो जाए, भीतर से खाली रहता है। वास्तविक संतोष और शांति उसे तब मिलती है, जब वह अपने जीवन को किसी बड़े उद्देश्य से जोड़ता है। आत्मकेंद्र से बाहर निकलना तभी संभव है, जब मनुष्य त्याग, समझ और व्यापक दृष्टि रखता हो। मानव-कल्याण के उद्देश्य से जुड़ना जीवन को अर्थ प्रदान करता है। जब मनुष्य अपने ज्ञान, अनुभव और शक्ति का उपयोग दूसरों के हित के लिए करता है, तब उसका जीवन केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज के विकास का माध्यम बन जाता है।

मानव-कल्याण का मार्ग मनुष्य को यह सिखाता है कि उसकी पहचान केवल 'मैं' से नहीं, बल्कि 'हम' से जुड़ी है। जब वह दूसरों की भलाई में अपनी खुशी खोजता है, तब उसके भीतर आत्मिक शक्ति का विकास होता है। यही आत्मिक शक्ति उसे कठिन परिस्थितियों में भी स्थिर और दृढ़ बनाए रखती है। सच्ची स्वतंत्रता का अर्थ केवल बाहरी बंधनों से मुक्ति नहीं है, बल्कि आंतरिक सीमाओं से भी मुक्त होना है। जब मनुष्य अज्ञान, भय, अहंकार और स्वार्थ से ऊपर उठता है, तब वह वास्तव में स्वतंत्र होता है।

ऐसी स्वतंत्रता उसे आत्मबोध प्रदान करती है और उसे यह समझने में मदद करती है कि जीवन का उद्देश्य केवल स्वयं के लिए जीना नहीं, बल्कि मानवता के लिए जीना है। जो व्यक्ति हर परिस्थिति को सीख का अवसर मानता है, वह निरंतर विकसित होता रहता है। वह जीवन की कठिनाइयों से टूटता नहीं, बल्कि उन्हें अपनी चेतना के विस्तार का साधन बनाता है। वास्तव में सच्ची मुक्ति कोई एक क्षण की उपलब्धि नहीं, बल्कि एक सतत् प्रक्रिया है।

यह प्रक्रिया अज्ञान से ज्ञान की ओर, आत्मकेंद्र से मानव-कल्याण की ओर और सीमित दृष्टि से व्यापक चेतना की ओर ले जाती है। अनुभव, संघर्ष और संवेदनशीलता इस यात्रा के प्रमुख साधन हैं। जब मनुष्य इन तीनों को अपने जीवन में स्वीकार करता है और हर परिस्थिति को सीख के रूप में देखता है, तब वह आत्मिक शक्ति से भर उठता है। यही आत्मिक शक्ति उसे जीवन की सर्वोच्च उपलब्धि, सच्ची स्वतंत्रता तक पहुंचाती है, जहां वह न केवल स्वयं मुक्त होता है, बल्कि दूसरों के जीवन को भी प्रकाश से भर देता है।

क्या हैं पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान संघर्ष के मायने?

पिछले कई दिनों से पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच लगातार सैन्य संघर्ष जारी है। पाकिस्तान में अलग-अलग जगहों पर हो रहे आतंकी हमलों के लिए अफ़ग़ानिस्तान की तालिबान सरकार को ज़िम्मेदार ठहराते हुए पाकिस्तान ने अफ़ग़ानिस्तान पर हवाई हमले शुरू किए। पाकिस्तान का अफ़ग़ानिस्तान पर यह आरोप है की अफ़ग़ान तालिबान तहरीक-ए-तालिबान को समर्थन देता है। पाकिस्तान के में हुए कई हमलों में तहरीक-ए-तालिबान के शामिल होने का आरोप इस्लामाबाद की ओर से लगाया जा रहा है। पाकिस्तान का अफ़ग़ानिस्तान में आतंकी संघटन आय एस आय एस की मजूदगी का भी दावा है। बीते 3-4 वर्षों से पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच रूक-रूक कर झड़पें होती रही हैं। अक्टूबर 2025 में क़तर की मध्यस्थता से दोनों पड़ोसियों में शांति समझौते का भी प्रयास किया गया। लेकिन इस्लामाबाद और काबुल किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंचे।

कुछ महीनों के विराम के बाद 11 फरवरी से फिर दोनों देशों में जंग छिड़ गई है। अभी भी दोनों तरफ़ से एक दुसरे की सीमा के अंदर हवाई हमले और सैन्य कार्रवाई जारी है।

दक्षिण एशिया के इन दो पड़ोसी देशों के रिश्ते हमेशा से जटिल रहे हैं। दोनों देशों के बीच के विवाद की जड़ अंग्रेज़ो के शासन काल में है। अंग्रेज़ों के समय में जब भारत और पाकिस्तान का विभाजन हुआ उस वक़्त पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच भी कुछ इलाकों का बंटवारा हुआ। अंग्रेज़ शासकों ने पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच एक सीमा रेखा खिंच दी जिसे डुरंड लाईन कहा जाता है। इस डुरंड लाईन से पख़्तून बहुल इलाका पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान में बंट गया। अफ़ग़ानिस्तान ने इस सीमा रेखा को कभी स्वीकार नहीं किया और पाकिस्तान के हिस्से में गए इलाके (खैबर-पख़्तूनख़्वा) पर भी हमेशा दावा किया है। सीमा विवाद पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच के संघर्ष की एक महत्त्वपूर्ण वजह रही है।

सीमा विवाद और आतंकवाद- इन दो मुद्दों से पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान का संघर्ष केवल द्विपक्षीय मामला लग सकता है। लेकिन इस जंग के मायने और परिणाम सिर्फ़ दो देशों तक सीमित नहीं हैं।

एक, इस वक़्त दुनिया में अनेक युद्ध चल रहे हैं, जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध और इस्राएल-हमास युद्ध। अमेरिका भी ईरान पर हमले की तैयारी कर रहा है। ऐसे में एक और युद्ध से विश्व में अस्थिरता, असुरक्षितता और आर्थिक अनिश्चितता और बढ़ेगी।

दूसरा, हाल के समय में पाकिस्तान और अमेरिका के बीच बढ़ती नज़दीकियों को देखकर इससे इनकार नहीं किया जा सकता की अमेरिका इस जंग के ज़रिये अपना हित साधने की कोशिश करे। अगर अमेरिका मध्यस्थता करके दोनों देशों में शांति प्रस्थापित करता है तो अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड़ ट्रम्प इसे खुद की कामयाबी बता सकते हैं और अपने आप को नोबेल शांति पुरस्कार मिलने योग्य बता सकते हैं।

तीसरा, अमेरिका यह भी चाहेगा की रूस किसी तरह अफ़ग़ानिस्तान की मदद करे। अगर ऐसा होता है तो संभव है रूस का ध्यान यूक्रेन से भटके। इससे यूरोप ऊपर लगातार मंडरा रहा जंग का ख़तरा कुछ हद तक कम होगा। अमेरिका की कोशिशों से अगर यह हो पाता है, तो अमेरिका के यूरोपीय देशों से रिश्ते सुधर सकते हैं। डोनाल्ड ट्रम्प के दुसरे कार्यकाल में अमेरिका और यूरोप के रिश्तों में क़ाफी कड़वाहट पैदा हुई है।

चौथा, अगर रूस अफ़ग़ानिस्तान की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मदद नहीं करता, और अमेरिका इस युद्ध को रोकने में कामयाब होता है, तो इससे अमेरिका अफ़ग़ानिस्तान से भी अपनी नज़दीकियां बढ़ाने की कोशिश करेगा। अफ़ग़ानिस्तान में प्राकृतिक संसाधन और खनिजों का बहुत बड़ा भंडार है, जिसका फायदा अमेरिका लेना चाहेगा।

एक, अगर यह युद्ध लंबे समय तक चलता रहा तो इससे दक्षिण एशिया में अस्थिरता बढ़ेगी और पूरे प्रांत की सुरक्षा को ख़तरा पैदा हो सकता है। दक्षिण, पश्चिम और मध्य एशिया से भारत के कई आर्थिक और रणनीतिक हित जुड़े हुए हैं जिनपर यह युद्ध असर डाल सकता है।

सबसे पहले तो अफ़ग़ानिस्तान भारत के लिए मध्य एशिया में पहुंचने का एक महत्त्वपूर्ण ज़रिया हैं। भारत इस वक़्त चाबहार बंदरगाह और अंतरराष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारा इन दो प्रकल्पों पर काम कर रहा है जो भारत को ईरान और अफ़ग़ानिस्तान के ज़रिये मध्य एशिया से जोड़ते हैं। इन गलियारों का व्यापर और सामान की आवाजाही के लिए परिक्षण भी हो चूका है। पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान के बीच अगर लंबी जंग चलती है तो इसका असर भारत के मध्य एशियाई देशों के साथ व्यापार पर होगा।

दूसरा, कूटनीति के मामले में अफ़ग़ानिस्तान फिलहाल दुनिया के कई देशों के लिए एक जटिल समस्या है। इस वक़्त अफ़ग़ानिस्तान के साथ बहुत काम देशों के कूटनीतिक रिश्ते हैं। भारत ने भी अफ़ग़ानिस्तान के तालिबान शासन को मान्यता नहीं दी है। लेकिन भारत ने अफ़ग़ानिस्तान से अपने रिश्ते कायम रखे हैं। संतुलित कूटनीति द्वारा भारत ने इस क्षेत्र में अपने हित संभाले हैं। पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान का संघर्ष और इसमें दुसरे देशों का दख़ल देने से शायद भारत को अपने मध्य एशिया नीति पर पुनर्विचार करना पेड़ सकता है। पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच का संघर्ष सिर्फ दक्षिण एशिया के लिए ही नहीं बल्कि पूरे एशिया और दुनिया के लिए भी चिंता का विषय है। इस संघर्ष का जारी रहना विश्व की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को असंतुलित कर सकता है।

आदित्यनाथ की विदेश यात्रा से विकास और हिंदुत्व मॉडल हुआ मजबूत!

प्रदेश के मुख्यमंत्री और फायरब्रांड हिन्दू नेता योगी आदित्यनाथ की हालिया सिंगापुर-जापान यात्रा प्रदेश की आर्थिक महत्वाकांक्षाओं को मजबूत करने का एक सशक्त प्रयास है। भले ही सीएम का यह दौरा निवेश आकर्षण और औद्योगिक साझेदारी पर केंद्रित रहा। लेकिन इन दौरों से इस बात के स्पष्ट संकेत मिले कि विकास और हिंदुत्व के मॉडल पर गतिशील यूपी सरकार के लिए निकट भविष्य में 1 ट्रिलियन डॉलर की सूबाई इकॉनमी वाले लक्ष्य को पाना बिल्कुल कठिन नहीं है।

आर्थिक विश्लेषक बता रहे हैं कि जिस तरह से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने सहयोगी उपमुख्यमंत्री और भरोसेमंद मंत्रियों के साथ 22 से 26 फरवरी 2026 तक चार दिवसीय विदेश यात्रा पर रहे, उसका अपना महत्व है। सर्वप्रथम उन्होंने 23-24 फरवरी को सिंगापुर की यात्रा की और फिर 25-26 फरवरी को जापान की यात्रा किए।इन दोनों यात्राओं से उन्हें अभूतपूर्व अनुभव हासिल हुआ, जिसके कुछ पलों को उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा भी किया था। कहना न होगा कि 2017 में यूपी की कमान थामने के बाद उनका यह पहला आधिकारिक विदेश दौरा था, जहां उन्होंने निवेशकों, उद्योग प्रतिनिधियों और प्रवासी भारतीयों से मुलाकात की।

इसलिए योगी की इस विदेश यात्रा के अपने सूबाई मायने हैं, जिसे समझने की जरूरत है। पहला, यह यात्रा यूपी को 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को गति देगी, विशेषकर अवसंरचना, लॉजिस्टिक्स, डेटा सेंटर और कौशल विकास में निवेश पर फोकस के साथ। दूसरा, सिंगापुर-जापान जैसे औद्योगिक केंद्रों से साझेदारी प्रदेश को 'मेक इन यूपी' हब बनाने में मदद करेगी, जो राज्य की वैश्विक ब्रांडिंग को मजबूत करेगी। तीसरा, योगी आदित्यनाथ की सिंगापुर-जापान यात्रा से उत्तर प्रदेश को कुल 2.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 1.5 लाख करोड़ रुपये के एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर हो चुके हैं।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, सिंगापुर से लगभग 1 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनमें 60 हजार करोड़ के एमओयू शामिल हैं। वहीं, जापान से अतिरिक्त निवेश प्रतिबद्धताएं आईं हैं, जो कुल को 2.5 लाख करोड़ तक ले गईं। इन निवेश प्रस्तावों में सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, ऑटोमोटिव, कृषि मशीनरी, लॉजिस्टिक्स, ग्रीन हाइड्रोजन और एविएशन (एमआरओ) जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित है। वो भी नामचीन कंपनियों, जैसे- कुबोटा, स्पार्क मिंडा, सुजुकी, होंडा और मित्सुई यदि से, जिनकी अपनी वैश्विक कारोबारी साख है।

जानकारों के मुताबिक, यदि सरकार इन प्रस्तावों को तय समयसीमा में धरातल पर उतारने का लक्ष्य रखती है, और अपने मकसद में कामयाब होती है तो उत्तरप्रदेश में लाखों रोजगार सृजित होंगे और सूबे के 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को महत्वपूर्ण गति मिलेगी। खास बात यह कि योगी आदित्यनाथ की सिंगापुर-जापान यात्रा ने भाजपा को विकास और हिंदुत्व के मॉडल को मजबूत करने का मौका दिया है।

राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि मुख्यमंत्री का यह दौरा 2027 विधानसभा चुनावों में योगी सरकार की छवि को चमकाने का साधन बनेगा। तभी तो उनका यह दौरा आगामी चुनावों से पहले योगी सरकार की विकास-केंद्रित छवि को रेखांकित करता है। वहीं विपक्ष के सवालों के बावजूद निवेश कूटनीति को बढ़ावा देता है। इससे यूपी की अर्थव्यवस्था को ग्लोबल पटल पर मजबूती मिलेगी। यात्रा से प्राप्त 2.5 लाख करोड़ निवेश प्रस्तावों को भाजपा 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य से जोड़कर प्रचारित करेगी, जो युवाओं में रोजगार सृजन का वादा मजबूत करेगा।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि प्रवासी भारतीयों के साथ संवाद ने योगी की वैश्विक अपील बढ़ाई, जो 2027 चुनावों में वोटबैंक को एकजुट करने में सहायक होगा। सच कहा जाए तो योगी का यह दौरा यूपी को ग्लोबल इकोनॉमी में स्थापित करेगा, जो केंद्र में भाजपा की नीतियों को समर्थन देगा। वहीं, हिंदुत्व एंगल (जैसे जापान मंदिर दर्शन) ने सांस्कृतिक डिप्लोमेसी को जोड़ा है, जो पार्टी की वैचारिक मजबूती बढ़ाएगा।

यह बात दीगर है कि सूबे की मुख्य विपक्षी पार्टी सपा के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने योगी की इस अभूतपूर्व यात्रा पर तंज कसा, और इसे 'भारत छोड़कर भागना' बताकर विपक्षी हमला बोला। यह उनकी बचकाना सियासी हरकत है, इससे ज्यादा कुछ नहीं। वास्तव में, निवेश सफलता ने विपक्ष के आरोपों को कमजोर किया, और भाजपा को योगी आदित्यनाथ को प्रदेश में 'विकास पुरुष' के रूप में पेश करने का आधार दिया, जिसका अपना राजनीतिक महत्व है।

फ्लैग मार्च कर प्रशासन ने होली-रमजान को लेकर दिया शांति व सौहार्द का संदेश, अफवाह फैलाने वालों पर सख्त चेतावनी

डीएम शैलेष कुमार व एसपी अभिमन्यु मांगलिक ने आमजन से संवाद कर लिया फीडबैक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। होलिका दहन, होली, रमजान एवं ईद पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। इसी क्रम में जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने संयुक्त रूप से गोपीगंज क्षेत्र में व्यापक फ्लैग मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

फ्लैग मार्च के दौरान प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने हाईवे, प्रमुख बाजारों व मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में पैदल भ्रमण कर आमजन को भयमुक्त वातावरण का भरोसा दिलाया। अधिकारियों ने व्यापारियों एवं स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित कर फीडबैक लिया और पर्वों को आपसी भाईचारे, सौहार्द एवं गंगा-जमुनी तहजीब के साथ मनाने की अपील की।

इस दौरान अतिक्रमण हटाने, साफ-सफाई सुनिश्चित कराने तथा संदिग्ध वाहनों की सघन चेकिंग भी कराई गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि जनपद में शांति व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, अफवाह या माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें और सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाएं प्रसारित न करें।

इसी क्रम में अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य व अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने उपजिलाधिकारी भदोही अरुण गिरी व क्षेत्राधिकारी अशोक के साथ तहसील भदोही के प्रमुख कस्बों में फ्लैग मार्च किया। वहीं तहसील औराई क्षेत्र में क्षेत्राधिकारी राजीव कुमार सिंह व उपजिलाधिकारी श्याम मणि त्रिपाठी ने घोसिया सहित आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बल के साथ मार्च कर सुरक्षा का संदेश दिया।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है और पर्याप्त पुलिस बल तैनात है। जनपदवासियों से अपील की गई है कि वे शांति बनाए रखें और पर्वों को हर्षोल्लास व भाईचारे के साथ मनाएं।

गौतस्कर से पुलिस की मुठभेड़ पैर में गोली लगने के बाद गिरफ्तार

गौमांस, तमंचा व कार बरामद; तीन साथी फरार

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। थाना सुरियावां क्षेत्र में गोकशी की सूचना पर सक्रिय हुई पुलिस टीम ने मुठभेड़ के बाद एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुरियावां भेजा गया। पुलिस ने मौके से गौमांस, एक चापड़, एक हुंडई सेंट्रो कार, 315 बोर का तमंचा, एक खोखा व एक जिंदा कारतूस बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार 1 मार्च को ग्राम बैरीपरवा में गोकशी की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी की तो एक व्यक्ति पकड़ा गया, जिसने अपना नाम विजय गौतम उर्फ कल्लू पुत्र बैजनाथ निवासी बैरीपरवा थाना सुरियावां बताया। इसी दौरान वह एक उपनिरीक्षक को धक्का देकर खेतों के रास्ते फरार हो गया। तलाशी में सेंट्रो कार की डिग्गी से सांड का सिर व चापड़ बरामद हुआ। आसपास खेतों में गोवंश के अवशेष भी मिले।

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में सर्विलांस की मदद से आरोपित की लोकेशन ट्रेस की गई। शाम करीब 6 बजे ग्राम मतेथू तिराहे के पास दबिश के दौरान आरोपित ने पुलिस पर तमंचे से फायर किया। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने अपने साथी राजकुमार सरोज उर्फ बड़कू निवासी अमिलहरा व दो अन्य अज्ञात व्यक्तियों के साथ मिलकर आवारा सांड को पकड़कर वध किया था। मांस बोरे में भरकर ले जाने की तैयारी थी, तभी ग्रामीणों ने देख लिया और पुलिस को सूचना दे दी।

पुलिस के मुताबिक फरार आरोपित राजकुमार सरोज पर पूर्व में भी पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज है। अन्य दो अज्ञात आरोपितों की तलाश में दबिश दी जा रही है। थाना सुरियावां में मु0अ0सं0 57/2026 के तहत धारा 3/5ए/8 उ0प्र0 गोवध निवारण अधिनियम, 109(1) बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी टीम में थानाध्यक्ष मनीष द्विवेदी, उ0नि0 धीरज यादव, उ0नि0 संजय सिंह सहित पुलिसकर्मी शामिल रहे।

तेज रफ्तार डंपर की चपेट में विवाहिता की मौत, आधे घंटे जाम

चिंतामणि इंटर कॉलेज के पास हादसा पति सुरक्षित, अज्ञात चालक पर मुकदमा

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। भदोही-ज्ञानपुर मार्ग पर मूसीलाटपुर स्थित चिंतामणि इंटर कॉलेज के पास सोमवार सुबह तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आने से बाइक सवार विवाहिता सोनी बिंद (34) की दर्दनाक मौत हो गई। बाइक चला रहे उनके पति दिनेश बिंद को खरोंच तक नहीं आई, जबकि महिला का शव क्षत-विक्षत हो गया। हादसे के बाद मौके पर भारी भीड़ जुट गई।

बताया गया कि प्रयागराज के बरौत चकपाली गांव निवासी दिनेश बिंद अपनी पत्नी सोनी के साथ पिपरिस गांव स्थित ननिहाल से घर लौट रहे थे। सुबह करीब आठ बजे निर्माणाधीन सड़क पर तेज गति से आ रहे डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार डंपर की रफ्तार 80-90 किमी प्रति घंटा थी, जबकि सड़क की दोनों पटरियां निर्माण कार्य के कारण क्षतिग्रस्त हैं।

घटना से बदहवास दिनेश को संभालना मुश्किल हो गया। सूचना मिलते ही पिपरिस, संभई भटानी और कुरौना हवाई पट्टी सहित आसपास के गांवों से परिजन मौके पर पहुंच गए। आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर बोल्डर, पाइप और बाइक रखकर चक्का जाम कर दिया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाकर जाम समाप्त कराया। हालांकि भदोही-ज्ञानपुर मार्ग पर करीब आधे घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। स्वजन की तहरीर पर अज्ञात डंपर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। परिजनों के अनुसार सोनी का मायका उगापुर हवाई पट्टी स्थित कुरौना गांव में है, जबकि पिपरिस में ननिहाल है। वह रविवार को मामा सूर्यबली बिंद के घर आई थीं और सोमवार सुबह घर लौटते समय हादसे का शिकार हो गईं। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक व आक्रोश का माहौल है।

साइबर हेल्प डेस्क की तत्परता से पीड़ित को 15 हजार रुपये वापस

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में थाना भदोही की साइबर हेल्प डेस्क ने तत्पर कार्रवाई करते हुए एक पीड़ित के खाते में 15, 000 रुपये की धनराशि वापस कराई।

जानकारी के अनुसार, दरोपुर रजपुरा निवासी सूरज चौहान से गलतीवश धनराशि दूसरे खाते में ट्रांसफर हो गई थी। पीड़ित द्वारा ऑनलाइन साइबर शिकायत दर्ज कराई गई। मामले का संज्ञान लेते हुए साइबर हेल्प डेस्क ने एनसीआरपी पोर्टल पर विवरण की जांच कर न्यायालय के आदेश के क्रम में संबंधित बैंक से समन्वय स्थापित किया और पूरी रकम वापस कराई।

धनराशि वापस मिलने पर पीड़ित ने भदोही पुलिस का आभार व्यक्त किया।

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि साइबर फ्रॉड की स्थिति में तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराएं तथा किसी अज्ञात लिंक या ऐप को डाउनलोड करने से बचें।

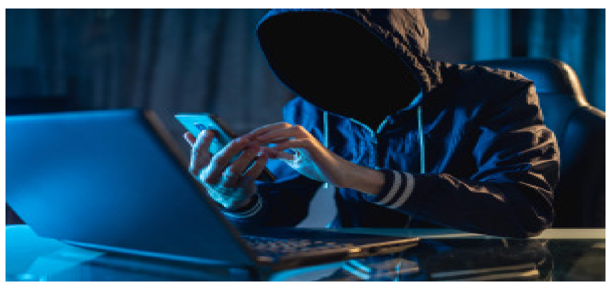

डीएम व एसपी ने जनपदवासियों को दी होली पर्व की हार्दिक बधाई, सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाने की अपील

होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि यह सामाजिक एकता समरसता एवं आपसी सद्भाव को बढ़ावा देने का भी प्रतीक है-डीएम

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने जनपदवासियों को होली पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अपने शुभकामना संदेश में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि होलिकोत्सव भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो हमें अधर्म पर धर्म, असत्य पर सत्य एवं अहंकार पर भक्ति की विजय का संदेश देता है। यह पर्व समाज में प्रेम, भाईचारा एवं सौहार्द को सुदृढ़ करने का अवसर प्रदान करता है।

उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि यह सामाजिक एकता, समरसता एवं आपसी सद्भाव को बढ़ावा देने का भी प्रतीक है। इस पावन अवसर पर हम सभी को अपने जीवन से नकारात्मकता, द्वेष एवं कुविचारों का दहन कर प्रेम, सौहार्द एवं सकारात्मकता का प्रकाश फैलाने का संकल्प लेना चाहिए।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने जनपदवासियों से अपील की कि वे होली का पर्व आपसी भाईचारे, सामाजिक समरसता एवं परस्पर प्रेम के साथ मनाएं तथा शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने यह भी कहा कि त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें तथा सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाएं प्रसारित करने से बचें। यदि किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न होती है तो तत्काल प्रशासन अथवा पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। अंत में उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे इस पावन पर्व को सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं हर्षोल्लास के साथ मनाते हुए जनपद में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखें।

पूर्व विधायक रविंद्र नाथ ने दी क्षेत्र एवं जनपद की जनता को दी होली की हार्दिक शुभकामनाएं

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सोमवार को रंगों के पावन पर्व होली के अवसर पर पूर्व विधायक भाजपा रविंद्र नाथ त्रिपाठी ने जनपद भदोही की जनता को शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द का प्रतीक है, जो समाज को एक सूत्र में बांधने का संदेश देता है।

अपने संदेश में कहा कि होली हमें पुराने गिले-शिकवे भुलाकर नई शुरुआत करने की प्रेरणा देती है।

यह पर्व सामाजिक समरसता और एकता का प्रतीक है, जहां हर वर्ग, हर समुदाय के लोग मिलजुलकर खुशियां मनाते हैं।

उन्होंने सभी भदोही की जनता से अपील की कि होली को शांति, सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाएं तथा पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित और स्वच्छ होली का संदेश दें।

अपने शुभकामना संदेश में उन्होंन अपने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास, स्वच्छता, बेहतर मूलभूत सुविधाओं और आपसी सद्भाव को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र के विकास और जनहित के मुद्दों पर वे सदैव प्रतिबद्ध रहेंगे।

रवींद्रनाथ त्रिपाठी ने कहा कि भदोही की जनता का स्नेह और विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। होली के इस पावन अवसर पर उन्होंने सभी परिवारों की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

छत तोड़कर पान मैटेरियल की दुकान में चोरी 50 हजार नकद व हजारों का सामान पार

गोपीगंज के बघेल कटरा की वारदात; सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस, व्यापारियों में आक्रोश

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। नगर के ज्ञानपुर रोड स्थित बघेल कटरा में रविवार रात चोरों ने छत की पटिया तोड़कर पान मैटेरियल की दुकान में सेंध लगा दी। बदमाश करीब 50 हजार रुपये नकद और हजारों रुपये मूल्य के सिगरेट कार्टून सहित अन्य सामान लेकर फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, नोनियान गली निवासी प्रेमचंद बघेल कटरा में किराए के कमरे में पान मैटेरियल, गुटखा व सिगरेट की दुकान चलाते हैं। रविवार देर शाम वह दुकान बंद कर घर चले गए थे। सोमवार सुबह दुकान खोलने पहुंचे तो अंदर का दृश्य देख सन्न रह गए।

व्यवसायी के पुत्र पप्पू के मुताबिक, चोर पीछे से छत पर चढ़े और पटिया तोड़कर अंदर घुसे। कैश बॉक्स का ताला तोड़कर फुटकर समेत करीब 50 हजार रुपये निकाल लिए। इसके अलावा सिगरेट के चार कार्टून सहित अन्य सामान भी उठा ले गए।

घटना की तहरीर पुलिस को दे दी गई है। पुलिस क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।

गौरतलब है कि लगभग डेढ़ माह पूर्व इसी इलाके में खाद-बीज की दुकान में भी चोरी हुई थी। लगातार हो रही वारदातों से व्यापारियों में भय और आक्रोश है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बघेल कटरा क्षेत्र में पहले भी कई दुकानों में चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन खुलासा न होने से चोरों के हौसले बुलंद हैं।

व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने और शीघ्र घटना का खुलासा करने की मांग की है, ताकि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हो सके।

होली की पूर्व संध्या पर ट्रेनों और प्लेटफार्मों पर चला सघन जांच अभियान

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन पर होली की पूर्व संध्या पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम की ओर से रविवार को सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।

जीआरपी चौकी प्रभारी आनंद कुमार यादव के नेतृत्व में आरपीएफ और जी आर पी की संयुक्त टीम टीम ने आने-जाने वाले यात्रियों, ट्रेनों की बोगियों और चढ़ने-उतरने वाले संदिग्ध व्यक्तियों के सामान की गहन जांच पड़ताल की। अभियान के दौरान प्लेटफार्म पर बिना कारण घूम रहे लोगों को चेतावनी देकर बाहर भेजा गया। पुलिस ने यात्रियों से अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की सूचना तुरंत रेलवे पुलिस को दें, ताकि रंगों के पर्व पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद बनी रहे।

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने पंकज त्रिपाठी के साथ अपना नया ब्रांड कैंपेन लॉन्च किया

मंत्र भारत संवाददाता

मिर्जापुर। भारत की अग्रणी जनरल इंश्योरेंस कंपनियों में से एक, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने मशहूर अभिनेता पंकज त्रिपाठी को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की है। इसके साथ ही कंपनी ने अपना नया ब्रांड कैंपेन 'चुनिए भरोसा, अपनों सा' भी पेश किया है।

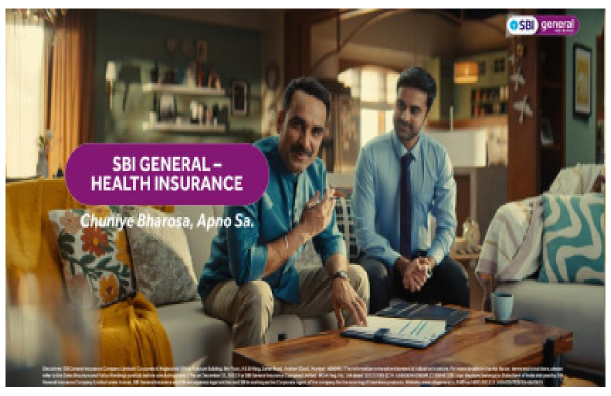

आरेडिका में 83वीं अखिल भारतीय रेलवे पुरूष हॉकी प्रतियोगिता का समापन

मंत्र भारत संवाददाता

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना में 27 फरवरी से 03 मार्च तक चली 83वीं अखिल भारतीय रेलवे पुरूष हॉकी प्रतियोगिता 2026 सम्पन्न करायी गयी जिसमें आज दिनांक-02.03.2026 को प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला मध्य रेलवे बम्बई तथा रेल कोच फैक्टरी कपूरथला के बीच खेला गया। इस फाइनल मुकाबले में महाप्रबंधक विवेक खरे मुख्य अतिथि के रूप् में उपस्थित रहे। इस 4 दिवसीय प्रतियोगिता में रेलवे जोन, प्रोडक्शन यूनिटों सहित कुल 8 टीमों के खिलाड़ी तथा रेलवे बोर्ड के ऑब्जर्बर, टेक्निकल ऑफिशियल, हॉकी फेडरेशन एवं रेलवे बोर्ड स्पोर्टस प्रमोशन बोर्ड के पदाधिकारी सहित कुल 200 लोग ने शामिल हुए।

आरेडिका खेल-कूद संघ के अध्यक्ष एवं प्रधान वित सलाहकार बीएल मीना ने बताया कि आगुन्तक खिलाड़ियों, कोचों, टेक्नीकल ऑफिशियल और रेलवे बोर्ड के अधिकारियों के लिए आरेडिका के खेलकूद संघ द्वारा रहने-खाने की उचित व्यवस्था की गयी थी। खिलाड़ियों के उचित मार्गदर्शन हेतु एक नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गयी। जिससे खिलाडियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा और प्रतियोगता का सफल अयोजन हो सका। इस 4 दिन चली प्रतियोगिता में आरेडिका के सभी कर्मचारियों तथा उनके परिवार के सदस्यों ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया। 83वीं अखिल भारतीय रेलवे पुरूष हॉकी प्रतियोगिता 2026 में कई खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके हैं, और वर्तमान में भी प्रतिभाग करते हैं।

प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला मध्य रेलवे बम्बई तथा रेल कोच फैक्टरी कपूरथला के बीच खेला गया। जिसमें रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला 2-0 से विजेता बनी वहीं मध्य रेलवे उपविजेता एवं दक्षिण मध्य रेलवे तृतीय स्थान पर रही।

महाप्रबंधक महोदय ने सभी टीमों से खेल भावनाओं का सम्मान करते हुए निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सहयोग की सराहना की। सभी खिलाड़ियो को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। इस अवसर पर आरेडिका प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक विजय कुमार श्रीवास्तव, प्रधान सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द्र, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी रूपेश श्रीवास्तव, सीएओ रवीश कुमार, आरेडिका खेल-कूद विशेष अधिकारी पदम्श्री एवं अर्जुन आवार्डी सुधा सिंह, आरेडिका खेलकूद संघ के सचिव एवं वित सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी अरविन्द कुमार, आरेडिका खेलकूद संघ के सभी सदस्यों सहित उच्चाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आगामी पर्व- होलिकोत्सव, होली, को भयमुक्त व सौहार्दपूर्ण वातावरण में सकुशल सम्पन्न कराए जाने व जनपद में चुस्त-दुरुस्त कानून व्यवस्था के दृष्टिगत कस्बा सुरियावां में श्री शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक व थानाध्यक्ष सुरियावां द्वारा पर्याप्त पुलिस बल के साथ संवेदनशील/मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, प्रमुख मार्गों, बाजारों व भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर फ्लैग मार्च कर आम जनमानस में सुरक्षा का एहसास कराया गया एवं शांतिपूर्ण व भयमुक्त वातावरण में पर्वों को सम्पन्न कराने का संदेश दिया गया।

युवती ने फंदा लगाकर दी जान, आत्महत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी पुलिस

गाजियाबाद (**एजेंसी**)। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में सोमवार को एक 21 वर्षीय युवती द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। युवती अपने किराए के मकान के गेट पर फंदे से लटकी मिली। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बताया जा रहा है कि युवती मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के डिबाई क्षेत्र की रहने वाली थी और इंदिरापुरम में किराए पर रहकर नौकरी करती थी। वह यशोदा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, इंदिरापुरम में पैंट्री विभाग में कार्यरत थी, जहां वह मरीजों को भोजन उपलब्ध कराने का काम करती थी। जानकारी के मुताबिक सोमवार सुबह से युवती के कमरे में कोई हलचल नहीं होने पर पड़ोसियों को संदेह हुआ। उन्होंने दरवाजा खटखटाया और आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद मकान मालिक को सूचना दी गई। जब दरवाजा खुलवाया गया तो युवती घर के गेट पर फंदे से लटकी हुई मिली।

सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। युवती के परिवार में माता-पिता, एक भाई और एक बहन हैं, जो बुलंदशहर के डिबाई में रहते हैं। घटना की सूचना परिजनों को दे दी गई है।

बेरहम टीचर! पिटाई के दौरान छात्र की आंख में घुसा दी छड़ी! फट गया पर्दा, चली गई मासूम की आंख की रोशनी

लखनऊ (**एजेंसी**)। महरौली के एक स्कूल में नौंवी कक्षा के छात्र को शिक्षिका ने छड़ी मार दी। इस दौरान बच्चे की आंख में चोट लग गई। आरोप है कि बच्चे का पेन नीचे गिर गया था। जब बच्चा पेन उठा रहा था तभी शिक्षिका ने उसे छड़ी मार दी। दो महीने से इलाज जारी होने के बाद भी बच्चे की आंख की रोशनी नहीं आई है।

बच्चे के पिता का कहना है कि चिकित्सकों ने उन्हें बताया है कि बच्चे की आंख की रोशनी चली गई है। उन्होंने स्कूल संचालक पर धमकाने का भी आरोप लगाया है। पीड़ित की शिकायत पर वेव सिटी थाने में शिक्षिका, प्रधानाचार्य और स्कूल मालिक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

महरौली निवासी प्रवीन के मुताबिक, उनका 14 वर्षीय बेटा गांव में ही स्थित गिरधारीलाल पब्लिक स्कूल में नौंवी कक्षा में पढ़ता है। 20 दिसंबर को वह स्कूल में पढ़ाई करने गया था और अपनी कक्षा में बैठकर पढ़ाई कर रहा था। आरोप है कि कक्षा में उसका पेन नीचे गिर

गया तो वह उठाने के लिए झुका। तभी शिक्षिका ने उसके छड़ी मार दी। छड़ी उसकी आंख में जाकर लग गई।

आरोप है कि छड़ी का एक कोना घुसने से उनके बेटे की दाहिनी आंख का पर्दा फट गया। उसकी आंख से खून बहने लगा। आरोप है कि स्कूल के प्रधानाचार्य ने गांव के ही एक डाक्टर को दिखाकर बेटे को घर छोड़ दिया। तबीयत बिगड़ने पर वह कविनगर स्थित एक अस्पताल लेकर गए जहां बच्चे का इलाज चला। अब नोएडा में एक आइ सेंटर पर बच्चे का आपरेशन हुआ है। जहां पर चिकित्सकों ने बताया कि छात्र की आंख में काला मोतियाबिंद हो गया।

आंख का पर्दाफटा है। अंदर तक चोट लगी है। पिता का कहना है कि अभी तक बच्चे को एक आंख से बिल्कुल दिखाई नहीं दे रहा है। उनका आरोप है कि स्कूल संचालक और प्रधानाचार्य ने उन्हें बच्चे के इलाज का खर्च देने का भरोसा दिया था, लेकिन अभी तक कोई मदद नहीं दी। उन्हें धमकाया भी जा रहा है। जबकि बेटे की आंख के इलाज में उनके करीब ढाई लाख रुपये लग गए हैं।

पीड़ित की शिकायत पर स्कूल की शिक्षिका, प्रधानाचार्य और स्कूल मालिक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इस संबंध स्कूल संचालक दीपक से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका मोबाइल स्विच आफ आया। पीड़ित पिता ने यह भी आरोप लगाया है कि स्कूल की मान्यता कक्षा आठ तक ही है, लेकिन स्कूल संचालकों ने नौंवी की कक्षा भी चलाई हुई हैं।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार का तांडव!

खड़े ट्रक से टकराई रोडवेज बस 3 यात्रियों की मौत, 31 घायल

उन्नाव (**एजेंसी**)। जिले के बांगरमऊ क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक रोडवेज बस के सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा जाने से बस में सवार तीन यात्रियों की मौत हो गई तथा 31 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, रविवार देर रात करीब ढाई बजे गहरपुरवा गांव के पास आगरा से लखनऊ जा रही उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के मथुरा डिपो की बस ने सड़क किनारे खड़े एक ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी।

उसने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और बस में सवार 35 में से 31 यात्री घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि घायलों को बांगरमऊ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। गंभीर रूप से घायल कुछ यात्रियों को जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां चिकित्सकों ने तीन को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में एक की पहचान 20 वर्षीय राजपूत के रूप में हुई है, जबकि दो अन्य की शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस ने बताया कि 11 घायलों का उपचार जारी है, जबकि मामूली रूप से घायल अन्य यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद वैकल्पिक बसों से उनके गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया। थाना प्रभारी अखिलेश पांडेय ने बताया कि प्रारंभिक जांच में बस चालक को झपकी आने की बात सामने आई है, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर ट्रक से टकरा गया। उन्होंने बताया कि दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर एक्सप्रेसवे पर यातायात सामान्य करा दिया गया है।

काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की कोई घटना नहीं होनी चाहिए : मुख्यमंत्री योगी

वाराणसी (**एजेंसी**)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के रविवार को निर्देश दिए कि श्री काशी विश्वनाथ धाम में आने वाले श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की कोई घटना नहीं हो। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि योगी आदित्यनाथ ने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के पहले दिन रविवार को सर्किट हाउस सभागार में विकास कार्यों, निर्माण परियोजनाओं एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में पुलिस द्वारा दर्शनार्थियों के साथ दुर्व्यवहार और कुप्रबंधन की कोई शिकायत नहीं मिलनी चाहिए।

उन्होंने पुलिस एवं मंदिर प्रशासन को व्यवस्था में उचित सुधार लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर में निर्मित दुकानों तक श्रद्धालुओं की पहुंच सुनिश्चित करने के साथ ही उपलब्ध सामग्रियों का उचित मूल्य रखा जाए। उन्होंने कहा, ''धार्मिक संस्थाएं पैसा कमाने का जरिया नहीं, बल्कि श्रद्धा का स्थल हैं, इसलिए श्रद्धालुओं के लिए इन स्थानों पर बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।'' आदित्यनाथ ने मानव संसाधन बढ़ाकर मणिकर्णिका एवं हरिश्चंद्र घाट के निर्माण कार्य में तेजी लाए जाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि घाटों एवं मंदिरों के पास निर्माण कार्य के दौरान ऐतिहासिक धरोहरों का हर हाल में संरक्षण किया जाए।

आदित्यनाथ ने कानून-व्यवस्था की समीक्षा के दौरान कहा कि कोई भी धार्मिक क्रियाकलाप धार्मिक स्थल परिसर में ही किया जाए और किसी भी नयी परंपरा की अनुमति नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने लंबित राजस्व वादों का निस्तारण तय समय सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। योगी ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि सभी जिम में महिला प्रशिक्षकों की भी व्यवस्था हो। उन्होंने कहा, ''अवैध गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों एवं पुलिस कर्मियों पर भी सख्त कार्रवाई की जाए। पर्व के दृष्टिगत अवैध एवं जहरीली शराब की बिक्री कहीं भी न हो।''

खामेनेई की मौत के विरोध में बाराबंकी में प्रदर्शन, शोकसभाएं की गई आयोजित

बाराबंकी (**एजेंसी**)। अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के विरोध में बाराबंकी जिले के विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शन किए गए और श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित की गईं। बड़ी संख्या में लोगों ने अमेरिका और इजराइल के खिलाफ नारेबाजी की, घरों पर काले झंडे लगाए और मोमबत्तियां जलाकर खामेनेई को श्रद्धांजलि दी।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बाराबंकी शहर स्थित कर्बला में रविवार शाम बड़ी संख्या में शिया समुदाय के पुरुष और महिलाएं इकट्ठा हुए और अमेरिका-इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले को मानवता पर आक्रमण करार देते हुए विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि बाद में लोगों ने मोमबत्तियां जलाकर खामेनेई को खिराज-ए-अकीदत (श्रद्धांजलि) पेश की। पुलिस के अनुसार, इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। वहीं, बदोसराय कस्बे की एक मस्जिद में शोकसभा आयोजित की गई, जहां वक्ताओं ने ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल की सैन्य कार्रवाई को अनुचित करार देते हुए विश्व शांति की अपील की।

सभा में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे और खामेनेई की मगफिरत (गुनाहों की माफी) के लिए दुआ की गई। बदोसराय क्षेत्र के निकट स्थित किंतूर को अयातुल्ला रूहुल्लाह मुसावी खुमैनी का पैतृक गांव माना जाता है, जिन्हें खामेनेई का गुरु बताया जाता है। खामेनेई की मौत के बाद जैदपुर में भी माहौल गमगीन देखा गया। कस्बे के कई घरों पर काले झंडे लगाकर शोक व्यक्त किया गया। कई इमामबाड़ों में मजलिस आयोजित की गई, जिसमें खामेनेई की शहादत को याद किया गया। इसके अलावा असंद्रा के आलमपुर समेत सैदवाड़ा क्षेत्र के गांवों में भी शोक का माहौल रहा।

किन्नर बोलकर रिश्ता तोड़ने वाली दुल्हन अब साथ रहने को तैयार

थाने पहुंची, दूल्हे का थामा हाथ, बोली- हमें कोई शिकायत नहीं

बाराबंकी। जिले के कोठी थाना क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से सुर्खियों में बना 'किन्नर दूल्हे' का विवाद रविवार को नाटकीय मोड़ के साथ समाप्त हो गया। सात फेरे लेने के बाद दूल्हे के जेंडर (लिंग) को लेकर उपजे भारी विवाद और हंगामे के बाद आज लड़का और लड़की पक्ष के लोग कोठी थाने पहुंचे। समाज और सोशल मीडिया पर तरह-तरह की चर्चाओं के बीच नवविवाहिता ने समझदारी का परिचय देते हुए अपने पति के साथ ही रहने की रजामंदी दे दी। थाने में पुलिस के सामने दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से विवाद को सुलझा लिया और किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई से इनकार करते हुए साथ जीवन बिताने का फैसला किया।

जानकारी के मुताबिक कोठी थाना क्षेत्र के एक गांव में कुछ दिन पहले धूमधाम से शादी संपन्न हुई थी। विदाई से पहले दूल्हे के 'किन्नर' होने का आरोप लगाते हुए हड़कंप मच गया था। यह खबर जंगल की आग की तरह पूरे जिले में फैल गई और मामला थाने तक जा पहुंचा। लड़की पक्ष ने धोखाधड़ी का आरोप लगाया था जबकि लड़का पक्ष इन दावों को सिरे से खारिज कर रहा था। रविवार को जब दोनों पक्ष थाने में आमने-सामने बैठे तो पुलिस ने दोनों बालिगों से एकांत में बात की। इस दौरान दुल्हन ने स्पष्ट किया कि वह अपनी मर्जी से

पति के साथ रहना चाहती है और उसे कोई परेशानी नहीं है।

कोठी पुलिस ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए दोनों के बयान दर्ज किए हैं। हालांकि दूल्हा वास्तव में किन्नर है या यह एक महज अफवाह थी, क्योंकि साथ रहने की रजामंदी से पहले मेडिकल परीक्षण कराए जाने की बात सामने नहीं आई है, बताया जा रहा है कि अभी भी लड़की पक्ष के लोग दूल्हे के मेडिकल परीक्षण की बात कह रहे हैं, दुल्हन पक्ष के लोगों का आरोप है कि मेरी बेटी को कुछ लोग बरगला कर लडके के साथ भेजना चाह रहे हैं इसलिए वह राजी है, पुलिस का कहना है कि चूंकि दोनों युवक-युवती बालिग हैं और स्वेच्छा से साथ रहने का निर्णय ले चुके हैं इसलिए प्रशासन इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकता।

भारत, कनाडा का व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को जल्द अंतिम रूप देने का फैसला

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। भारत और कनाडा ने सोमवार को यूरेनियम आपूर्ति में सहयोग के लिए एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए और व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को जल्द अंतिम रूप देने का निर्णय लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच हुई वार्ता के बाद यह फैसला किया गया। वार्ता के बाद दोनों देशों ने कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग का करार भी शामिल है। असैन्य परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में दीर्घकालिक यूरेनियम आपूर्ति पर सहमति बनी है।

समझौते के तहत कनाडा, भारत को यूरेनियम की आपूर्ति करेगा। दोनों देश लघु मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) और उन्नत रिएक्टर प्रौद्योगिकी पर भी साथ काम करेंगे। इसके साथ ही दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने वक्तव्य में कहा, 'पश्चिम एशिया की वर्तमान स्थिति हमारे लिए गहरी चिंता का विषय है। भारत सभी विवादों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति का समर्थन करता है।' उन्होंने कहा कि भारत इस क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अन्य देशों के साथ मिलकर काम करता रहेगा। दोनों नेताओं ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के लिए संदर्भ एवं शर्तों को भी अंतिम रूप दिया। इस समझौते का उद्देश्य व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना है। मोदी ने कहा, 'भारत और कनाडा लोकतांत्रिक मूल्यों में अटूट विश्वास रखते हैं। विविधता का सम्मान और मानवता का कल्याण हमारी साझा दृष्टि है। आज हमने इस दृष्टि को साझेदारी की नई ऊंचाई देने पर चर्चा की।' दोनों देशों ने रक्षा उद्योग सहयोग और समुद्री क्षेत्र में निगरानी क्षमता बढ़ाने पर भी सहमति जताई।

एमईए हेल्पलाइन मध्य पूर्व युद्ध 2026: मिसाइलों की बारिश के बीच फंसे 90 लाख भारतीय, तेहरान से दुबई तक गुहार

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। मिडिल ईस्ट में ईरान, इज़राइल और अमेरिका के बीच छिड़ा भीषण युद्ध अब एक मानवीय संकट में बदल गया है। खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख से ज़्यादा भारतीय इस समय मिसाइलों और सायरन के शोर के बीच फंसे हुए हैं। तेहरान के मेडिकल कॉलेजों से लेकर दुबई के आलीशान होटलों तक, हर जगह से भारतीय नागरिकों की घर वापसी की गुहार सुनाई दे रही है। 28 फरवरी को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद शुरू हुए हमलों ने पूरे खाड़ी क्षेत्र को दहला दिया है। यूएई, कतर, ओमान और सऊदी अरब जैसे देशों में, जहाँ भारतीय प्रवासियों की सबसे बड़ी संख्या है, वहां अब युद्ध के सायरन गूंज रहे हैं।

भारतीय नागरिकों की अपीलों की बाढ़ आ गई है, जिनमें से कई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्रालय (एमईए) से उन्हें निकालने की गुज़ारिश की है। एमईए ने प्रभावित देशों में भारतीयों के लिए इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं, जो मेडिकल इमरजेंसी, सुरक्षा और निकलने से जुड़े सवालों के लिए मदद देते हैं। दुबई में एक वर्कर ने इंस्टाग्राम रील पर पोस्ट किया, 'मैं यहां रोज़ी-रोटी के लिए आया था, लेकिन अब मैं बम से बचने की कोशिश कर रहा हूं। मैं मोदी जी और भारत सरकार से रिक्वेस्ट करता हूं कि हमें यहां से निकालें।'

टूरिस्ट भी दुबई और अबू धाबी में फंसे हुए हैं, और मिडिल ईस्ट में एमबीए और मेडिकल के स्टूडेंट भी सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर रहे हैं, जिसमें भारत सरकार से मदद मांगी जा रही है। मिडिल ईस्ट में 9 मिलियन से ज़्यादा भारतीय हैं, जिनमें से ज़्यादातर वर्कर हैं जो रोज़ी-रोटी की तलाश में खाड़ी देशों में चले गए थे। दुबई जैसी टॉप ग्लोबल टूरिस्ट जगहों पर भी मिसाइलों की बारिश हो रही है, जिससे बाहर

से आए लोगों में डर बैठ गया है क्योंकि बहरीन, इराक, जॉर्डन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, यूएई में सायरन बज रहे हैं।

ईरान में भारतीय स्टूडेंट्स, खासकर तेहरान में मेडिकल स्टूडेंट्स ने मदद की गुहार लगाते हुए इमोशनल वीडियो शेयर किए हैं। एक महिला स्टूडेंट ने कहाः 'मैं एक इंडियन स्टूडेंट हूँ और अभी तेहरान में हूँ। यहाँ के हालात बहुत खराब और अनिश्चित लग रहे हैं। हमें सच में नहीं पता कि आगे क्या होने वाला है। हम सच में शुक्रगुजार हैं कि भारत सरकार और विदेश मंत्रालय हमारी सुरक्षा के लिए बातचीत कर रहे हैं। लेकिन ऐसे समय में, स्पीड बहुत मायने रखती है... एयर स्ट्राइक हो रही हैं और हमारे लिए हालात बहुत खराब होते जा रहे हैं। हम बस जल्द से जल्द और साफ-साफ लोगों को निकालने की रिक्वेस्ट करते हैं...'

ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ़ मेडिकल साइंसेज के एक और पुरुष स्टूडेंट ने कहा, 'मैं ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ़ मेडिकल साइंस का स्टूडेंट हूँ। हम अभी तेहरान में हैं और यहाँ मिसाइलों की बारिश हो रही है। और हम सभी स्टूडेंट जो इस वीडियो में आना भी नहीं चाहते, इसलिए उनकी तरफ से भी मैं भारत सरकार से अपील करना चाहूँगा कि वे हमें जल्द से जल्द निकालें।'

यह ध्यान देने वाली बात है कि अभी ईरान में कम से कम 2, 000 कश्मीरी स्टूडेंट हैं, जिनमें से कई मेडिसिन की पढ़ाई कर रहे हैं। जम्मू और कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिखकर डिप्लोमैटिक दखल और जल्दी निकालने की रिक्वेस्ट की है। मंत्रालय ने कहा, 'ईरान और खाड़ी क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों से भारत बहुत चिंतित है। हम सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव बढ़ने से बचने और नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह करते हैं।' मंत्रालय ने तनाव कम करने और संप्रभुता का सम्मान करने के लिए बातचीत और कूटनीति पर ज़ोर दिया।

भारतीय मिशन नागरिकों के संपर्क में हैं, और उन्हें सतर्क रहने और लोकल गाइडलाइंस मानने की सलाह दे रहे हैं। हालांकि, बंद एयरस्पेस और इलाके में फाइटर जेट, मिसाइल और ड्रोन के एक्टिव होने की वजह से तुरंत निकालने का कोई प्लान अनाउंस नहीं किया गया है।

दिल्ली को बर्बाद कर अब पंजाब की बारी केजरीवाल पर शहजाद पूनावाला का बड़ा आरोप

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की हालिया टिप्पणियों पर निशाना साधते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने सोमवार को उन पर दिल्ली के साथ 'धोखा' करने और पंजाब में किए गए वादों को पूरा न करने का आरोप लगाया। पूनावाला ने आरोप लगाया कि आप सरकार ने अपने कार्यकाल में राष्ट्रीय राजधानी को 'बर्बाद' कर दिया और पिछले एक साल में दिल्ली में हुए घटनाक्रमों पर टिप्पणी करने के केजरीवाल के अधिकार पर सवाल उठाया।

पूनावाला ने कहा कि वे ही थे जिन्होंने पाठशाला की जगह मधुशाला बनवाई। दो कमरों वाले रसोई-घर के घर में रहने का वादा किया था, लेकिन वीवीआईपी सुविधाओं का इस्तेमाल करते हुए कोविड के चरम पर शीश महल बनवा दिया। उन्होंने हर विभाग में भ्रष्टाचार और घोटाले किए, और दिल्ली को बर्बाद करने के बाद अब पंजाब को बर्बाद करने जा रहे हैं। उन्हें पिछले एक साल में दिल्ली में जो कुछ हुआ है, उस पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है।

उन्होंने पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) के शासन को लेकर उस पर निशाना साधा और राज्य की जनता से किए गए चुनावी वादों के क्रियान्वयन पर सवाल उठाए। उन्होंने आगे कहा कि आप के वादे के मुताबिक कितनी महिलाओं को हजार रुपये मिले हैं? आप के वादे के मुताबिक कितने बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता मिला है? आपने किसानों से जिन फसलों पर एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) का वादा किया था, कितने किसानों को वह मिला है? सरकार बनने के सात दिनों के भीतर जिन ड्रग डीलरों को आप खत्म करने का वादा कर रहे थे, उन्हें आपने (आप) कितनी बार पकड़ा है? दिल्ली को धोखा देने के बाद, आप पंजाब को भी धोखा दे रहे हैं और दिल्ली की जनता को उपदेश देने का उन्हें कोई अधिकार नहीं है।

रविवार को, आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जंतर-मंतर पर एक रैली के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला और गुजरात में पार्टी के शासन की आलोचना करते हुए विकास के दावों पर सवाल उठाए।

राहुल गांधी, बीआरएस नेता केटीआर का बड़ा आरोप- 1000 करोड़ लेने आए हैं क्या?

हैदराबाद। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा प्रहार करते हुए उनकी तेलंगाना यात्रा पर सवाल उठाया और आरोप लगाया कि वे 'मुख्यमंत्री द्वारा वादा किए गए 1, 000 करोड़ रुपये लेने' आए हैं।' पर एक पोस्ट में राव ने लिखा कि हैलो राहुल गांधी। एआईसीसी के एटीएम - तेलंगाना में आपका स्वागत है। क्या आप सिर्फ अपने मुख्यमंत्री द्वारा वादा किए गए 1, 000 करोड़ रुपये लेने आए हैं?

केटी रामाराव ने आगे पूछा कि क्या कांग्रेस नेता उन '6 गारंटियों' की प्रगति की समीक्षा करेंगे जिन्हें 100 दिनों के भीतर पूरा करने का वादा किया गया था, साथ ही उन 420 अन्य वादों की भी समीक्षा करेंगे जो उन्होंने राज्य की जनता से किए थे। उन्होंने कहा कि क्या आप उन 6 गारंटियों की प्रगति की समीक्षा करने की परवाह करते हैं जिन्हें 100 दिनों के भीतर पूरा करने का वादा किया गया था और उन 420 अन्य वादों की भी जो आपने जनता से किए थे?

ये टिप्पणियां तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार और विपक्षी बीआरएस के बीच चुनावी वादों के क्रियान्वयन को लेकर जारी राजनीतिक खींचतान के बीच आई हैं। इससे पहले दिन में, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल के साथ हैदराबाद पहुंचे, जहां शमशाबाद हवाई अड्डे पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने उनका स्वागत किया। राहुल गांधी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के डीसीसी अध्यक्षों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र के लिए विकाराबाद जिले के अनंतगिरि पहाड़ियों की ओर रवाना हुए हैं।

ईरान-इज़राइल तनाव के बीच फंसे ओडिशा के लोग पटनायक ने केंद्र से लगाई सुरक्षित वापसी की गुहार

भुवनेश्वर (**एजेंसी**)। मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष के बीच, बीजू जनता दल (बीजेडी) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने सोमवार को भारत सरकार से क्षेत्र में फंसे ओडिशा के लोगों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया। एक बयान में, पटनायक ने कहा कि मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष के कारण प्रवासी श्रमिकों, पेशेवरों, छात्रों और पर्यटकों सहित ओडिशा के कई लोग फंसे हुए हैं। हवाई संपर्क बाधित होने से कई लोग गंभीर अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। उनकी सुरक्षा और कल्याण खतरे में है, और वे तत्काल सहायता के लिए देश की ओर देख रहे हैं।

पटनायक ने आगे कहा कि भारत सरकार से अनुरोध है कि इस संघर्ष में फंसे सभी ओडिशावासियों की सुरक्षित निकासी और वापसी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाएं। त्वरित कार्रवाई न केवल जीवन की रक्षा करेगी बल्कि घर पर अनगिनत परिवारों को भी आश्वस्त करेगी जो अपने प्रियजनों के कुशल-मंगल के बारे में जानने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आज सुबह, एआईएडीएमके सांसद आई एस इनबादुराई ने विदेश मंत्रालय को पत्र लिखकर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सहित मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों में उत्पन्न हो रही स्थिति पर चिंता व्यक्त की और सरकार से इस क्षेत्र में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया।

विदेश मंत्री को लिखे पत्र में, इनबादुराई ने तमिलनाडु के परिवारों की चिंताओं को उजागर किया, विशेष रूप से एआईएडीएमके महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी द्वारा किए गए अनुरोध के बाद, जिन्होंने केंद्र से मध्य पूर्वी देशों में रहने वाले भारतीयों, विशेषकर तमिलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया था। इनबादुराई ने लिखा कि मैं संयुक्त अरब अमीरात सहित मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों में व्याप्त तनावपूर्ण और बदलती स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए आपको यह पत्र लिख रहा हूं। इस संदर्भ में, हमारी पार्टी के महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी द्वारा इस क्षेत्र में रहने वाले भारतीयों और विशेष रूप से तमिलों की सुरक्षा के लिए किया गया अनुरोध तमिलनाडु के लाखों परिवारों की वास्तविक चिंता को दर्शाता है।

पाकिस्तान टीम में 'बड़ी सर्जरी' शुरू! टी20 में खराब प्रदर्शन पर पीसीबी ने लगाया 50 लाख का फाइन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में न पहुंच पाने के बाद राष्ट्रीय टीम के सदस्यों पर भारी जुर्माना लगाया है। प्रत्येक खिलाड़ी पर 50 लाख पाकिस्तानी कोरो (लगभग 16.28 लाख रुपये) का जुर्माना लगाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह फैसला पाकिस्तान की भारत से ग्रुप चरण में मिली हार के बाद लिया गया है, जिससे टूर्नामेंट में क्वालीफाई करने की उनकी उम्मीदों को काफी झटका लगा है।

पाकिस्तानी क्रिकेट टीम ने पिछले कुछ आईसीसी टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी), जिसके अध्यक्ष मोहसिन नकवी हैं, ने अब कड़ा रुख अपनाने का फैसला किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह निर्णय टीम के टूर्नामेंट से बाहर होने से काफी पहले ही ले लिया गया था - जब वे अपने ग्रुप मैच में भारत से हार गए थे। 2024 में अमेरिका और वेस्ट इंडीज में आयोजित पिछले टी20 विश्व कप में, पाकिस्तान अमेरिका जैसी कमजोर टीम और अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी भारत से हारने के बाद सुपर 8 में भी जगह बनाने में नाकाम रहा था। इसके बाद, पाकिस्तानी खिलाड़ियों के बीच अनबन और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को टीम के लक्ष्यों से ऊपर रखने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए, नक़वी ने टीम में सुधार का वादा किया था।

दो साल बीतने के बाद भी पाकिस्तानी क्रिकेट टीम में कोई बदलाव नहीं आया है। पिछले महीने अपने ग्रुप मैच में वे एक बार फिर भारत से हार गए। नीदरलैंड्स के खिलाफ उन्होंने बड़ी मुश्किल से जीत हासिल की। हालांकि वे सुपर 8 में पहुंच गए, लेकिन वहां वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए और परिणामस्वरूप सेमीफाइनल में जगह बनाने में असफल रहे। श्रीलंका के खिलाफ अपने आखिरी सुपर 8 मैच में, 212 रन बनाने के बाद, सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए उन्हें श्रीलंका को 147 रन या उससे कम पर रोकना था। इतना ही नहीं, वे बड़ी मुश्किल से सिर्फ पांच रन से मैच जीत पाए। अगर आखिरी ओवरों में बल्लेबाजों का लड़खड़ाना न होता, तो वे 20-30 रन और बना सकते थे।

पाकिस्तान ने भले ही जीत के साथ अपना अभियान समाप्त किया हो, लेकिन टूर्नामेंट की समग्र कहानी निराशा से भरी रही है। सेमीफाइनल तक न पहुंच पाने से वैश्विक स्तर पर टीम के प्रदर्शन पर सवाल और भी बढ़ गए हैं। इस ताजा हार ने एक बार फिर पाकिस्तानी क्रिकेट पर संकट के बादल छा दिए हैं, जिससे टीम की दिशा और आईसीसी की बड़ी प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता पर नए सवाल खड़े हो गए हैं।

अमेरिका- ईरान तनाव का असर, दुबई में फंसीं पीवी सिंधु का ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप खेलना मुश्किल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का मंगलवार से यहां शुरू होने वाली अखिल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप से बाहर रहना तय है क्योंकि अमेरिका के ईरान पर हमले के बाद खाड़ी क्षेत्र में हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण वह दुबई में फंस गई हैं। खिलाड़ियों के यात्रा संबंधी बाधाओं ने सुपर इस 1000 प्रतियोगिता की तैयारियों को बुरी तरह प्रभावित किया है। सिंधु शनिवार से दुबई में फंसी हुई हैं क्योंकि ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों और उसके बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। सिंधु और उनके कोच इंडोनेशिया के इरवानस्याह आदि प्रतामा दुबई में फंसे हुए हैं। वह उनके ठहरने के स्थान के करीब हुए विस्फोट में बाल-बाल बच गए थे। खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ने के कारण उन्हें बाद में एक सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया।

भारतीय स्टार खिलाड़ी को पहले दौर में थाईलैंड की सुपानिडा कटेथोंग का सामना करना था, लेकिन दुबई के हवाई क्षेत्र और हवाई अड्डे के बंद रहने के कारण उन्हें टूर्नामेंट से हटना पड़ेगा। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) भी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है तथा देर से पहुंचने वाले खिलाड़ियों की मदद करने के लिए तैयार है। सिंधु की टूर्नामेंट में भागीदारी अभी अनिश्चित है, लेकिन भारत के कुछ अन्य खिलाड़ी सिंगापुर और अफ्रीका के वैकल्पिक मार्गों से बर्मिंघम पहुंच गए हैं। हालांकि यह देखना बाकी है कि लंबी और थका देने वाली यात्रा उनकी तैयारियों को कितना प्रभावित करेगी। भारत के शीर्ष पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन और उभरते युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी यात्रा संबंधी किसी भी तरह की समस्या के बिना यहां पहुंच गए हैं।

लक्ष्य का पहले दौर में मुकाबला चीन के विश्व के नंबर एक खिलाड़ी शी यु ची से होगा, जबकि आयुष इंडोनेशिया के अलवी फरहान के खिलाफ खेलेंगे। लक्ष्य के लिए पहले दौर की चुनौती बड़ी मुश्किल होगी क्योंकि वह चीन के खिलाड़ी से पिछले पांच मुकाबलों में से चार में हार चुके हैं। आयुष को भी फरहान से पांच मुकाबलों में से तीन में हार का सामना करना पड़ा है, जिसमें जनवरी में इंडोनेशिया मास्टर्स का मुकाबला भी शामिल है। महिला एकल वर्ग में मालविका बंसोड़ को तोक्यो ओलंपिक चैंपियन चीन की चेन युफेई के खिलाफ कड़ी शुरुआती चुनौती का सामना करना पड़ेगा। उन्नति हुडा अफ्रीका के रास्ते यहां पहुंची है और उन्हें अपने पहले मैच में थाईलैंड की आठवीं

वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से भिड़ने पर जेट लैग से उबरने की जरूरत होगी।

पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पहले दौर में मलेशिया के कांग खाई जिंग और आरोन ताई के खिलाफ खेलेंगे। महिला युगल में त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद का सामना जापान की सायका हिरोटा और अयाको सकुरामोतो से होगा। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो का मुकाबला मलेशिया के हू पांग रॉन और चेंग सु यिन से, जबकि रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे का फ्रांस के थॉम गिक्वेल और डेल्फिन डेलरू से होगा। प्रकाश पादुकोण (1980) और पुलेला गोपीचंद (2001) ही ऐसे भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने ऑल इंग्लैंड का खिताब जीता है। हाल के वर्षों में केवल साइना नेहवाल (2015 उपविजेता) और लक्ष्य (2022 उपविजेता) ही इसके करीब पहुंच पाए।

पीएफखाताधारकों के लिए अच्छी खबर! ईपीएफओ ने ब्याज दर 8.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सोमवार को कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर 2025-26 के लिए ब्याज दर 8.25 प्रतिशत निर्धारित की। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब ब्याज दर को अपरिवर्तित रखा गया है। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। पिछले वर्ष फरवरी में, ईपीएफओ ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 8.25 प्रतिशत ब्याज दर को बरकरार रखा था। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 2024 में ब्याज दर को मामूली रूप से बढ़ाकर 2023-24 के लिए 8.25 प्रतिशत कर दिया था, जो 2022-23 में 8.15 प्रतिशत थी।

ईपीएफओ ने मार्च, 2022 में अपने सात करोड़ से अधिक अंशधारकों के लिए सेवानिवृत्ति के बाद जमा पर ब्याज दर को 2021-22 के लिए घटाकर चार दशक से अधिक के न्यूनतम स्तर 8.10 प्रतिशत कर दिया था, जो 2020-21 में 8.5 प्रतिशत थी। वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 8.10 प्रतिशत की दर 1977-78 के बाद सबसे कम थी। उस समय यह दर 8.0 प्रतिशत थी। सूत्रों ने बताया, ''ईपीएफओ के निर्णय लेने वाले सर्वोच्च निकाय केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) ने सोमवार को अपनी बैठक में 2025-26 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) पर 8.25 प्रतिशत की ब्याज दर देने का निर्णय किया है।'' सीबीटी के निर्णय के बाद, 2025-26 के लिए ईपीएफ जमा पर ब्याज दर को वित्त मंत्रालय की सहमति के लिए भेजा जाएगा।

सरकार की मंजूरी के बाद, 2025-26 का ब्याज ईपीएफओ के सात करोड़ से अधिक ग्राहकों के खातों में जमा कर दी जाएगी। ईपीएफओ वित्त मंत्रालय के माध्यम से सरकार की मंजूरी के बाद ब्याज दर प्रदान करता है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने 2019-20 के लिए भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर को 2018-19 के लिए निर्धारित 8.65 प्रतिशत से घटाकर सात वर्षों में सबसे कम 8.5 प्रतिशत कर दिया था।

ईपीएफओ ने 2016-17 में अपने ग्राहकों को 8.65 प्रतिशत और 2017-18 में 8.55 प्रतिशत ब्याज दर प्रदान की थी। 2015-16 में ब्याज दर थोड़ी अधिक यानी 8.8 प्रतिशत थी। वहीं वित्त वर्ष 2013-14 और 2014-15 दोनों वर्षों में 8.75 प्रतिशत की ब्याज दर दी, जो 2012-13 की 8.5 प्रतिशत दर से अधिक थी। 2011-12 में ब्याज दर 8.25 प्रतिशत थी।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 पर पड़ा खामेनेई के निधन का असर, वर्ल्ड कप से हटेगा ईरान!

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव का असर अब खेल जगत पर भी पड़ने लगा है। दरअसल ईरान की फुटबॉल टीम आगामी फीफा वर्ल्ड कप 2026 का बहिष्कार करने पर विचार कर रही है। ये टूर्नामेंट 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में खेला जाना है।

हाल ही में अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद की स्थिति और ज्यादा बिगड़ गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दावा किया कि ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनई की मौत हो गई जिसके बाद से ईरान में राजनीतिक और सामाजित माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया है। वहीं ईरान ने लगातार चौथी बार फीफा वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई किया है और उसके सभी ग्रुप स्टेज मुकाबले अमेरिका में ही होने हैं। टीम को 15 जून को लॉस एंजिलिस में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच खेला है। वहीं इसके बाद 21 जून को बेल्जियम और 26 जून को सिएटल में मिस्त्र से मुकाबला तय है।

हालांकि, मौजूदा हालात को देखते हुए ईरान फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष मेहदी ताज ने संकेत दिए हैं कि अमेरिका में मैच खेलना मुश्किल हो सकता है। इस दौरान उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों में जो कुछ भी हुआ है उसके बाद वर्ल्ड कप में भागीदारी पर फैसला लेना आसान नहीं होगा।

फिलहाल, तनाव को देखते हुए ईरान की घरेलू फुटबॉल लीग को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। वहीं अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल संस्था फीफा ने कहा है कि वह पूरे मामले पर नजर बनाए हुए हैं।

सोना-चांदी में 'विस्फोटक' तेजी! चांदी 2.93 लाख के पार, सोना 1.68 लाख के करीब

युद्ध के डर से निवेशकों ने बनाया सुरक्षित ठिकाना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। इज़राइल, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव और 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के कारण शेयर बाजारों में मचे हाहाकार के बीच कीमती धातुओं की चमक आसमान छू रही है। सोमवार को वायदा कारोबार में सोना और चांदी की कीमतों में 4 प्रतिशत तक का जोरदार उछाल दर्ज किया गया।

पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच सुरक्षित निवेश के लिए मांग बढ़ने से सोमवार को वायदा कारोबार में सोना और चांदी की कीमतों में करीब चार प्रतिशत तक की तेज उछाल दर्ज की गई। इस उछाल के बीच चांदी 2.93 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई जबकि सोना 1.68 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गया। विश्लेषकों के मुताबिक, ईरान पर अमेरिका एवं इजराइल के समन्वित सैन्य हमलों और उनमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के मारे जाने के बाद क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है।

इसके जवाब में ईरान ने भी पश्चिम एशिया के कई देशों में ठिकानों पर मिसाइल हमले शुरू कर दिए हैं। इस परिस्थिति में निवेशकों ने जोखिम वाले निवेश से दूरी बनाकर सोना-चांदी की ओर रुख किया। मल्टी-कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मई डिलीवरी वाली चांदी का वायदा भाव 10, 508 रुपये यानी 3.72 प्रतिशत उछलकर 2, 93, 152 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया।

वहीं, अप्रैल अनुबंध के लिए सोना 5, 811 रुपये यानी 3.6 प्रतिशत बढ़कर 1, 67, 915 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के जिंस विश्लेषक मानव मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के बाद सुबह के कारोबार में सोना-चांदी के वायदा में तेजी और बढ़ गई। वैश्विक बाजार में भी कीमती धातुओं के वायदा कारोबार में तेजी का रुझान देखा गया। मई डिलीवरी के लिए कॉमेक्स चांदी वायदा चार डॉलर यानी 4.3 प्रतिशत बढ़कर 97.30 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि सोना 161.8 डॉलर यानी 3.08 प्रतिशत चढ़कर 5, 409.7 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। इंडसइंड सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक जिगर त्रिवेदी ने कहा, 'इन हमलों से क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ी है।

जीत के बाद संजू सैमसन ने हेलमेट फेंककर किया सेलिब्रेट, आईसीसी लगाएगा जुर्माना?

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। जहां टीम इंडिया ने सुपर-8 का आखिरी मुकाबला वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला। इस मैच में जीत दर्ज कप टीम इंडिया ने सेमीफाइनल में एंट्री की। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन भारत की इस की इस जीत में हीरो बने। लक्ष्य का पीछा करते हुए संजू ने 50 गेंदों में 12 चौको और 4 छक्कों की मदद से 97 नाबाद रनों की पारी खेली।

इस भारतीय खिलाड़ी ने विनिंग शॉट खेलने के बाद बड़ा अनोखा जश्न मनाया जिसके लिए उन्होंने अपना हेलमेट मैदान पर फेंका। वहीं अब संजू के इस तरह के सेलिब्रेशन पर सवाल उठने लगे हैं। दरअसल, कहा जा रहा है कि, संजू का हेलमेट को मैदान पर फेंकना जुर्माने का संकेत है। आईसीसी इसके लिए उन पर जुर्माना लगा सकती है?

फिलहाल, संजू के हेलमेट को फेंकने के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकती है। नियम के मुकाबित, खिलाड़ियों का मैदान पर हेलमेट या बल्ला फेंकना अनुचित आचरण की श्रेणी में आता है। आईसीसी खिलाड़ियो के ऐसे रवैये को लेकर काफी सख्त है। इसी के कारण खिलाड़ियों को मैदान पर बल्ला और हेलमेट जैसी चीजें फेंकने से रोका जाता है। इससे किसी को भी अंजाने में चोट लग सकती है।

सेबी चेयरमैन का बड़ा ऐलान : आरबीआई के साथ मिलकर कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार में लाएंगे नई क्रांति

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने कहा है कि नियामक इस साल कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार के विकास को प्राथमिकता देगा और इसके तहत उसकी भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मिलकर 'क्रेडिट बॉन्ड सूचकांक' तथा उनसे जुड़े डेरिवेटिव उत्पाद लाने की योजना है। सेबी चेयरमैन के तौर पर एक मार्च को एक साल पूरा करने वाले पांडेय ने पीटीआई-को दिए साक्षात्कार में कहा कि अपने कार्यकाल के दूसरे वर्ष में वह कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार को मजबूत बनाने पर बहुत अधिक ध्यान देने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कॉरपोरेट बॉन्ड खंड में तरलता बढ़ाने, अधिक कंपनियों को बॉन्ड जारी करने के लिए प्रोत्साहित करने और निवेशकों की भागीदारी बढ़ाने की जरूरत है। पांडेय ने कहा कि खुदरा निवेशकों में बॉन्ड बाजार के प्रति जागरूकता सीमित है और द्वितीयक बाजार में कारोबार काफी कम है।

उन्होंने कहा, 'खुदरा स्तर पर बॉन्ड बाजार के बारे में बहुत कम जानकारी है। प्राथमिक निर्गम के बाद भी लेनदेन की गतिविधि बढ़ाना हमारी प्राथमिकता है।' फिलहाल बड़ी संख्या में बॉन्ड को परिपक्वता अवधि तक रखा जाता है, जिससे बाजार में तरलता यानी नकदी की स्थिति सीमित रहती है। सेबी ने पारदर्शिता बढ़ाने और बेहतर मूल्य खोज के लिए प्राथमिक बाजार में 'प्रस्ताव के लिए अनुरोध' (आरएफपी) व्यवस्था और ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म प्रदाताओं के लिए 'कीमत का अनुरोध' (आरएफक्यू) ढांचा लागू किया है। पांडेय ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ मिलकर क्रेडिट बॉन्ड सूचकांक और उनसे जुड़े डेरिवेटिव विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम आरबीआई के साथ मिलकर क्रेडिट बॉन्ड सूचकांक और उससे जुड़े डेरिवेटिव लाने पर काम कर रहे हैं। इससे बाजार का दायरा और बढ़ेगा। बॉन्ड बाजार का भविष्य बड़ा है।' देश के कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार में इस समय करीब 58 लाख करोड़ रुपये के बकाया निर्गम हैं। हालांकि 5, 900 से अधिक सूचीबद्ध कंपनियों में से केवल करीब 700 कंपनियां ही बॉन्ड बाजार का इस्तेमाल कर रही हैं। इस पर सेबी प्रमुख ने कहा कि अधिक कंपनियों की भागीदारी, विभिन्न रेटिंग श्रेणियों में दोबारा निर्गम और विविध जोखिम-रिटर्न विकल्प उपलब्ध कराना मजबूत बाजार के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बाजार के विकास के लिए कंपनियों को शिक्षित करने और निवेशकों तक पहुंच बढ़ाने के समानांतर प्रयास जरूरी हैं। फिलहाल पेंशन कोष, बीमा कंपनियां और अन्य बड़े संस्थागत निवेशक इस खंड में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

भारत में महंगाई का खतरा! मिडिल ईस्ट संकट बिगाड़ सकता है बजट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक बाज़ारों के साथ भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर भी चिंता बढ़ा दी है। केंद्र सरकार हालात पर करीबी नजर रखे हुए है और आशंका जताई जा रही है कि यदि संघर्ष लंबा खिंचा तो तेल की बढ़ती कीमतें, रुपये में उतार-चढ़ाव और चालू खाते के घाटे के जरिए देश की आर्थिक स्थिति पर दबाव बढ़ सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यों के दो दिवसीय दौरे से लौटने के बाद सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक की अध्यक्षता कर ताज़ा हालात की समीक्षा की। वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, सरकार क्षेत्रीय घटनाक्रम और उसके संभावित आर्थिक प्रभावों पर करीबी नजर बनाए हुए है।

हाल ही में इज़राइल और अमेरिका ने ईरान पर संयुक्त सैन्य कार्रवाई की। इस हमले में कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया और ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के मारे जाने की खबर सामने आई। खाड़ी क्षेत्र में लंबे समय तक अस्थिरता की आशंका को देखते हुए अर्थशास्त्रियों ने शेयर बाजार, ऊर्जा बाजार और रुपये में बढ़ती अस्थिरता की चेतावनी दी है।

नोमुरा की इंडिया और एशिया (जापान को छोड़कर) की मैनेजिंग डायरेक्टर एवं मुख्य अर्थशास्त्री सोनल वर्मा ने कहा है कि एशिया की अर्थव्यवस्थाओं में भारत उन देशों में शामिल है, जिन पर तेल की ऊंची कीमतों का असर अधिक दिखाई देता है। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक की इंडिया इकोनॉमिक रिसर्च प्रमुख अनुभूति सहाय के अनुसार, भारत पर इसका असर मुख्य रूप से अप्रत्यक्ष चैनलों के माध्यम से पड़ेगा–जैसे कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और वैश्विक निवेशकों का जोखिम से बचने का रुख।

आलिया भट्ट ने तोड़ी चुप्पी! बाफ्टा रेड कार्पेट पर 'अजीब' एक्सप्रेशंस के लिए ट्रोल होने पर दिया करारा जवाब

बॉलीवुड सुपरस्टार आलिया भट्ट इन दिनों अपनी फिल्मों से ज्यादा अपने एक वायरल वीडियो को लेकर चर्चा में हैं। 79वें ब्रिटिश एकेडमी फिल्म अवार्ड्स में बतौर प्रेजेंटर शामिल हुईं आलिया को रेड कार्पेट पर दिए गए एक इंटरव्यू के बाद सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया गया। अब अभिनेत्री ने इन चर्चाओं पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए स्थिति साफ की है।

बाफ्टा रेड कार्पेट पर एक मीडिया इंटरेक्शन के दौरान आलिया से पूछा गया था कि उन्हें किस फिल्म का 'प्लॉट ट्विस्ट' सबसे यादगार लगता है। आलिया ने थोड़ा रुककर फिल्म 'गोन गर्ल' का नाम लिया। इस दौरान उनके चेहरे के हाव-भाव और जवाब देने में हुई देरी को लेकर इंटरनेट पर बहस छिड़ गई। कुछ यूजर्स ने उनके 'एक्सप्रेशंस' का मजाक उड़ाया, तो कुछ ने उनकी बॉडी लैंग्वेज पर सवाल खड़े किए।

जैसे-जैसे चर्चा बढ़ी, आलिया ने जो हुआ उसे साफ़ करने का फैसला किया। फैशन कमेंटेटर डाइट सब्या के साथ बातचीत में, उन्होंने रिएक्शन का जवाब दिया और कहा, 'इस बारे में इतनी बात क्यों हो रही है? क्या यह मेरे एक्सप्रेशन की वजह से है?'

अपने जवाब को डिटेल में बताते हुए उन्होंने कहा, तो बेसिकली मुझे सच में लगता है कि यह सबसे अच्छा ट्विस्ट है लेकिन मुझे यह पसंद नहीं आया, यह कब रिलीज़ हुआ था? 10 साल पहले? तो मैंने उसके बाद इसे नहीं देखा। तो जब उसने कहा, 'वह मोनोलॉग, ' तो मैंने कहा 'हाँ' (हाँ) और मैं अपने दिमाग में पीछे जा रही थी कि ओह हाँ, 'वह मोनोलॉग, सही सही सही' और उसने फर्श साफ करने का ज़िक्र किया और मैंने कहा 'हाँ' (हाँ) तो मैं समय में पीछे चली गई और मुझे लगता है कि आपने वही देखा। मैं एक कूल लड़की हूँ। मैं एक स्वीट लड़की हूँ। लेकिन मैं कूल होने से ज़्यादा स्वीट हूँ। असल में, मुझे नहीं लगता कि मैं कूल हूँ। मैं अनकूल लड़की हूँ, मेरी बहन ऐसा कहेगी। आलिया के मुताबिक, उनके एक्सप्रेशन बस सालों पहले देखी गई एक फिल्म की डिटेल्स याद करने की कोशिश का रिफ्लेक्शन थे। उन्होंने आगे कहा कि वह खुद को 'कूल' नहीं मानतीं, बल्कि उन्होंने खुद को कॉन्फिडेंट से ज़्यादा स्वीट बताया।

वर्क फ्रंट पर, आलिया के पास आगे बहुत बिज़ी शेड्यूल है। वह शिव रवैल की डायरेक्ट की हुई फिल्म अल्फा में लीड रोल में होंगी, जो वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है। फिल्म में बॉबी देओल और शरवरी वाघ भी हैं। इसके अलावा, वह संजय लीला भंसाली के साथ लव एंड वॉर में काम कर रही हैं, जिसमें रणबीर कपूर और विक्की कौशल को-स्टार हैं।

दुबई में फंसी अभिनेत्री सोनल चौहान पीएम मोदी से लगाई मदद की गुहार

अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर किए गए 'प्री-एम्प्टिव' सैन्य हमलों (ऑपरेशन एपिक फ्यूरी) के बाद जवाब में ईरान ने खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइलें दागी हैं। इस युद्ध की स्थिति के कारण दुबई में हवाई सेवाएं पूरी तरह ठप हो गई हैं, जिससे 'जन्नत' फेम अभिनेत्री सोनल चौहान वहां फंस गई हैं।

सोनल चौहान के अलावा, स्टार भारतीय शटलर पीवी सिंधु भी दुबई एयरपोर्ट पर फंसी हुई हैं, क्योंकि वेस्ट एशिया में बढ़ते संघर्ष की वजह से फ्लाइट्स में बड़ी रुकावट आई है। सिंधु ऑल इंग्लैंड ओपन टूर्नामेंट के लिए बर्मिंघम जा रही थीं, दुबई उनका ट्रांजिट स्टॉप था, तभी एयरपोर्ट ऑपरेशन रोक दिया गया।

मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ गया है क्योंकि अमेरिका-इज़राइल अलायंस ने ईरान के शासन को गिराने के लिए उसके खिलाफ एक जॉइंट स्ट्राइक की है। हालाँकि, जो ईरान के खिलाफ इज़राइली 'प्री-एम्प्टिव मिलिट्री स्ट्राइक' के तौर पर शुरू हुआ, वह ईरान द्वारा मिडिल ईस्ट में अमेरिका बेस पर और अमेरिका और इज़राइल द्वारा इस क्षेत्र में ईरान समर्थक मिलिटेंट ग्रुप्स पर प्रॉक्सी हमलों में बदल गया। मनामा, दोहा, अबू धाबी, दुबई, रियाद और अम्मान समेत मिडिल ईस्ट के कई खास हब में धमाकों की खबर है, जबकि ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कन्फर्म किया है कि उसने बदले की कार्रवाई में इस इलाके में कई अमेरिका जगहों पर हमला किया है।

शनिवार को दुबई के कुछ हिस्सों में ज़ोरदार धमाकों की खबर मिली। इन घटनाओं के बीच, सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें दुबई के पाम जुमेराह पर मौजूद फेयरमोंट द पाम होटल के पास आग और धुआं उठता दिख रहा है। हालांकि, यह साफ नहीं है कि होटल पर सीधे मिसाइल से हमला हुआ था या आग संयुक्त अरब अमीरात के डिफेंस सिस्टम द्वारा रोके गए किसी प्रोजेक्टाइल के मलबे से लगी थी। अधिकारियों ने बुर्ज अल अरब में आग लगने और दुबई एयरपोर्ट पर एक घटना की भी पुष्टि की है, जिसमें खामेनेई की मौत की खबरों के बीच चार लोग घायल हो गए थे।

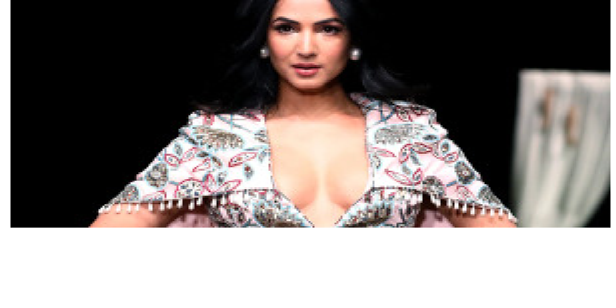

दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट को भी उसके एक मुख्य टर्मिनल बिल्डिंग पर संदिग्ध हवाई हमले के कारण थोड़ा नुकसान हुआ। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और उसके चलते हुए हमलों की वजह से फ्लाइट कैंसिल हो गई हैं, एयरस्पेस बंद हो गए हैं और देशों ने इस इलाके में रहने वाले अपने नागरिकों के लिए सिक्योरिटी अलर्ट जारी किए हैं।

लालू-तेजस्वी को मिली कमान, बिहार राज्यसभा चुनाव में आरजेडी का उम्मीदवार कौन? सस्पेंस बरकरार!

पटना (एजेंसी)। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद और पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव को रविवार को आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों के चयन पर अंतिम निर्णय लेने का अधिकार दिया गया। बिहार में राज्यसभा की पांच सीटों के लिए मतदान होगा। एनडीए के पास 202 विधायक हैं, इसलिए भाजपा और जेडीयू दोनों आसानी से दो-दो राज्यसभा सीटें जीत लेंगी, जबकि आरजेडी पांचवीं सीट पर नजर रखे हुए है।

पटना में तेजस्वी के आधिकारिक आवास पर हुई आरजेडी की संसदीय बोर्ड की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। बैठक में कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। लालू ने नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक में भाग लिया। मीडिया के एक वर्ग में यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि तेजस्वी स्वयं बिहार से चुनाव लड़ सकते हैं। आरजेडी के पूर्व सांसद और सिवान के दिग्गज नेता, दिवंगत मोहम्मद शहाबुद्दीन की पत्नी हेना शाहब का नाम भी चर्चा में है।

बिहार में पांच रिक्त सीटों के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 5 मार्च है, जबकि आवश्यकता पड़ने पर चुनाव 16 मार्च को होंगे। हालांकि, पार्टी के नेताओं ने इन अफवाहों पर चुप्पी साध ली कि लालू प्रसाद के बेटे तेजस्वी यादव उम्मीदवार हो सकते हैं। राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने पत्रकारों को बताया, ''केंद्र और राज्य दोनों संसदीय बोर्ड ने राष्ट्रीय अध्यक्ष और राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष (यादव) को राज्यसभा चुनाव पर निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया है। जी हां, यह निर्णय लिया गया है कि हम चुनाव लड़ेंगे।'' वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कांति सिंह ने कहा, हम राज्यसभा चुनाव जरूर लड़ेंगे। जब उनसे पार्टी के पास आवश्यक संख्या बल ना होने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जवाब दिया, तो क्या हुआ?''

गौरतलब है कि इस महीने के अंत में जिन पांच सीट के लिए चुनाव होने हैं, उनमें से दो वर्तमान में राजद के कब्जे में है। राजद को कुछ महीने पहले हुए विधानसभा चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा था और उसके पास उच्च सदन में अपना सदस्य भेजने के लिए आवश्यक संख्या बल नहीं रहा। अब पार्टी के पास 243 सदस्यीय विधानसभा में केवल 25 विधायक हैं और हालांकि उसे कांग्रेस और वाम दलों जैसे महागठबंधन सहयोगियों का पूरा समर्थन मिलने की संभावना है, फिर भी उनकी संयुक्त संख्या 35 राज्यसभा सीट जीतने के लिए आवश्यक न्यूनतम संख्या से लगभग छह सीट कम है। फिर भी, जब से पांच सीट के लिए चुनाव की घोषणा हुई है, जिनमें से शेष तीन सीट राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के पास हैं, राजद नेता एक सीट पर चुनाव लड़ने की इच्छा व्यक्त कर रहे हैं और अपनी उम्मीदें ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) पर टिकाए हुए हैं, जिसके विधानसभा में पांच सदस्य हैं।

हवाई सुरक्षा से खिलवाड़! वीएसआर वेंचर्स के मालिक का कॉकपिट वीडियो

पिता की मौत के बाद जय ने की डीजीसीए से सख्त जांच की मांग

मुम्बई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अजीत पवार के बेटे जय पवार ने अपने पिता को एक दुखद विमान दुर्घटना में खोने के कुछ दिनों बाद, वीएसआर वेंचर्स द्वारा संचालित विमान संचालन में सुरक्षा संबंधी गंभीर चूक का आरोप लगाया है। जय ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें कथित तौर पर एक व्यक्ति उड़ान के दौरान मुख्य पायलट की सीट पर सोता हुआ दिखाई दे रहा है। उन्होंने इस घटना को चौंकाने वाला बताया और डीजीसीए से तत्काल कार्रवाई की मांग की। उन्होंने विमानन नियामक से वीएसआर वेंचर्स द्वारा संचालित सभी विमानों को प्रतिबंधित करने और कंपनी के सुरक्षा प्रोटोकॉल की व्यापक जांच शुरू करने का आग्रह किया।

उन्होंने वीएसआर वेंचर्स के मालिक की गिरफ्तारी की भी मांग की और कंपनी को कथित लापरवाही के लिए जिम्मेदार ठहराया। गौरतलब है कि अजीत पवार भी वीएसआर वेंचर्स के ही विमान में सवार थे जब बारामती में लैंडिंग

के दौरान विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। जय पवार का कहना है कि भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई और गहन जांच आवश्यक है। जय ने इंस्टाग्राम पर लिखा मैंने अपने पिता को खो दियाष्ठ यह दर्द हमारे साथ जीवन भर रहेगा। इस वीडियो में, वीएसआर के मालिक रोहित सिंह उड़ान के दौरान मुख्य पायलट की सीट पर सोते हुए दिखाई दे रहे हैं। हवा में इस तरह की लापरवाही अस्वीकार्य है। यह बेहद गंभीर और चौंकाने वाला है।

उन्होंने आगे कहा कि मैं डीजीसीए से इस मामले में तत्काल और सख्त कार्रवाई की पुरजोर मांग करता हूं। पूरी जांच होने तक वीएसआर के सभी विमानों को तुरंत ग्राउंडेड किया जाना चाहिए और रोहित सिंह को तुरंत गिरफ्तार करके उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। यह एक बेटे की दिल से की गई अपील है... अपने पिता के लिए और हर यात्री की सुरक्षा के लिए।

अजीत पवार को ले जा रहा एक छोटा चार्टर्ड विमान मुंबई से सुबह लगभग 8 बजे रवाना हुआ। लगभग 45 मिनट बाद, बारामती हवाई अड्डे के पास उतरने के प्रयास में विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अजीत पवार के अलावा, विमान में चार अन्य लोग सवार थे और इस दुर्घटना में कोई भी जीवित नहीं बचा। अजीत पवार के निधन के बाद, उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री चुनी गईं। कुछ दिनों बाद, उन्हें राष्ट्रीय कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) का प्रमुख भी बनाया गया।

बिहार राज्यसभा चुनाव से पहले चिराग पासवान का बड़ा दावा, 'एनडीए की सभी 5 सीटें पक्की'

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) बिहार की सभी पांच राज्यसभा सीटें जीतने के लिए तैयार है। उन्होंने आगामी चुनावों में लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) (राम विलास) की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। रविवार को पासवान ने पत्रकारों से कहा कि विपक्ष के प्रयासों के बावजूद उनकी हार निश्चित है और गठबंधन पूरी तरह एकजुट है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनावों के संबंध में बैठकें हो चुकी हैं। गठबंधन के भीतर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। इस संदर्भ में, निस्संदेह, हमारी एलजेपी (राम विलास) के 19 विधायक भी आने वाले दिनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। अब प्रक्रिया धीरे-धीरे शुरू हो रही है।

चिराग पासवान ने कहा कि मैं इतना जरूर कह सकता हूं कि बिहार से राज्यसभा के लिए चुने गए सभी 5 सांसद एनडीए के ही होंगे। वे किस पार्टी से होंगे, यह बाद की बात है, लेकिन सभी 5 सांसद एनडीए के ही होंगे। वे (तेजस्वी यादव) चाहे जो कोशिश करें, लेकिन विधानसभा चुनावों की तरह यहां भी उनकी हार निश्चित है। हमें संख्या बल को लेकर जरा भी संदेह नहीं है। पूरा गठबंधन एकजुट है। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बुधवार को आगामी द्विवार्षिक राज्यसभा चुनावों का कार्यक्रम घोषित किया है। ये चुनाव 10 राज्यों की 37 सीटों को भरने के लिए आयोजित किए जा रहे हैं, क्योंकि मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल 2026 में समाप्त हो रहा है। एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना से निर्वाचित 37 सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल में समाप्त हो जाएगा, जिससे नए सदस्यों के चुनाव के लिए सीटें खाली हो जाएंगी। चुनाव प्रक्रिया शुरू करने के लिए अधिसूचना 26 फरवरी को जारी की जाएगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 5 मार्च है, जिसके बाद 6 मार्च को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। उम्मीदवार 9 मार्च तक अपने नामांकन वापस ले सकते हैं। मतदान 16 मार्च को होगा और उसी दिन शाम 5 बजे मतगणना शुरू होगी।

खाड़ी क्षेत्र में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए केंद्र सरकार तैयार : प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार खाड़ी क्षेत्र में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए पूरी तरह तैयार है और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विदेश स्थित भारतीय मिशनों के संपर्क में है। एक बयान में जोशी ने कहा कि संघर्ष के कारण प्रभावित लोगों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए संबंधित भारतीय दूतावासों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की गई है।

उन्होंने कहा, 'जब भी कन्नड़ भाषी और अन्य भारतीय दुनिया में कहीं भी संकट का सामना करते हैं, केंद्र सरकार उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करती है। इससे पहले, हम यूक्रेन में फंसे लोगों को वापस लाए थे। भारतीय जहां भी हों, उनकी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।'

जोशी ने कहा कि ईरान-इजराइल संघर्ष की गंभीरता के कारण कन्नड़ भाषी लोगों के परेशानी में फंसे होने की सूचना मिली है और उनकी सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने हेतु वरिष्ठ मंत्रियों के साथ तत्काल परामर्श किया गया है।

चिंतित परिवारों को आश्वस्त करते हुए मंत्री ने कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है और सरकार सभी भारतीयों को सुरक्षित वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में हवाई यात्रा करना फिलहाल जोखिम भरा है और भविष्य में किसी भी तरह के कदम उठाने से पहले जानकारों से परामर्श लिया जा रहा है। जोशी ने कहा कि दुबई में फंसे लोगों की सहायता के लिए भी प्रयास जारी हैं, जहां उड़ान संचालन प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा, 'किसी को भी चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्हें सुरक्षित वापस लाने के लिए गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं।'

खामेनेई की मौत पर पीएम मोदी चुप क्यों हुए? इज़राइल-ट्रंप से डर है? राउत का तीखा सवाल

मुम्बई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ईरान-इजराइल संघर्ष में हस्तक्षेप करने और युद्ध रोकने का आग्रह किया। उन्होंने भारत के सच्चे मित्र ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई की हत्या पर सरकार की चुप्पी की आलोचना की। पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने कहा कि मोदी जी विश्व नेता और 'विश्वगुरु' हैं, उन्हें ईरान-इजराइल संघर्ष रोकना चाहिए। मोदी जी को अपने दोस्तों से भी ऐसा करने को कहना चाहिए।

संजय राउत ने कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को इजराइल को छोड़कर पूरी दुनिया मान्यता देती थी। वे भारत के सच्चे मित्र थे जिन्होंने हमेशा हमारे देश का समर्थन किया। वे नेहरू जी के अनुयायी भी थे। क्या मोदी जी इसी बात से नाराज हैं? जब ऐसे नेता की हत्या होती है, तो भारत के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को शोक व्यक्त करना चाहिए। वे किससे डरते हैं - इजराइल से या राष्ट्रपति ट्रंप से?

यह घटनाक्रम 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए संयुक्त मिसाइल हमले, जिसे 'ऑपरेशन रोरिंग लायन/ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' नाम दिया गया था, के बाद बढ़े तनाव के बीच हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी सरकारी मीडिया ने पुष्टि की है कि 28 फरवरी को हुए अमेरिकी-इजरायल हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई, उनकी बेटी, पोते, बहू और दामाद की मौत हो गई।

आज सुबह प्रधानमंत्री मोदी ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से क्षेत्रीय स्थिति पर चर्चा की और नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने शत्रुता को जल्द से जल्द समाप्त करने की आवश्यकता को भी दोहराया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने नेतन्याहू से फोन पर बातचीत की और हाल के घटनाक्रमों पर भारत की चिंता व्यक्त की तथा नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर बल दिया।

मुजफ्फराबाद में हेल्थ वर्कर्स की हड़ताल ओपीडी बंद होने से मरीज हुए बेहाल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान अधिकृत जम्मू और कश्मीर में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने मुज़फ़्फ़राबाद स्थित अब्बास इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एआईएमएस) में हड़ताल की। वे अपनी लंबे समय से लंबित मांगों के चार्टर को तत्काल स्वीकार करने की मांग कर रहे थे। इस विरोध प्रदर्शन के कारण ओपीडी सेवाएं अस्थायी रूप से बंद हो गईं, जिससे मरीजों और उनके साथ आए लोगों को असुविधा हुई। प्रदर्शनकारी अस्पताल परिसर के अंदर और बाहर जमा हो गए और नारे लगाते हुए अधिकारियों से अपनी मांगों को बिना किसी देरी के लागू करने का आग्रह किया।

स्वास्थ्य कर्मचारी संघ (एचईएफ) के अध्यक्ष मासूम मुगल ने कहा कि चार्टर पर और बहस की आवश्यकता नहीं है, फिर भी लगभग एक महीना बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने दो प्रमुख मांगों पर प्रकाश डाला - स्वास्थ्य भत्ता और असमानता भत्ता। उनके अनुसार, कर्मचारियों को वर्तमान में 25 प्रतिशत स्वास्थ्य भत्ता मिलता है, जबकि अन्य विभागों को असमानता भत्ते का लाभ मिलता है। हालांकि, एआईएमएस के सार्वजनिक स्वास्थ्य कर्मचारियों को असमानता और उपयोगिता भत्तों से इस आधार पर वंचित रखा गया है कि उन्हें पहले से ही 25 प्रतिशत स्वास्थ्य भत्ता मिल रहा है, जिसे उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ण लाभ के बराबर माना जा रहा है।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि उन्होंने 30 जनवरी को मुख्य सचिव को अपनी मांगों का चार्टर सौंपा और 6 फरवरी को प्रदर्शन किया, जिसके बाद 13 फरवरी से सांकेतिक हड़ताल शुरू हुई। पैरामेडिकल स्टाफ के केंद्रीय महासचिव सैयद शुजात हुसैन ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में उनकी मांगों को वैध माना गया। खबरों के मुताबिक, स्वास्थ्य भत्ते को अस्थायी रूप से 2022 के स्तर पर संशोधित करने और इसे 2026 के बजट में शामिल करने पर सहमति बनी। हालांकि, अभी तक कोई आधिकारिक अधिसूचना जारी नहीं की गई है।

कर्मचारी पैरामेडिक्स और सहायक कर्मचारियों के लिए एक उचित सेवा संरचना, डीडी और डीडीओ आदेशों का कार्यान्वयन, चार सूत्रीय प्रशिक्षण फार्मूला, डॉक्टरों के समान विशेष स्वास्थ्य भत्ता और उपयोगिता एवं असमानता भत्तों में शामिल किए जाने की भी मांग कर रहे हैं।

मध्य पूर्व युद्ध : सपनों के शहर दुबई पर संकट, 50 प्रतिशत बुकिंग्स कैंसिल, पर्यटक होटलों में फंसे

अबू धाबी। मध्य पूर्व युद्ध का पर्यटन पर गहरा असर पड़ा है। ट्रैवल कंपनियों का कहना है कि पिछले 24 घंटों में 50 प्रतिशत से अधिक टूर बुकिंग रद्द हो चुकी हैं। सबसे अधिक बुकिंग हनीमून पैकेज, ग्रुप टूर और फैमिली पैकेज में रद्द हुई हैं। इसके अलावा, कई पर्यटक इस समय दुबई में फंसे हुए हैं। दुबई आने-जाने वाली उड़ानें निलंबित हैं, जिसके कारण पर्यटकों और उनके परिवारों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मध्य पूर्व की यात्रा की योजना बना रहे लोग अब अपनी योजनाओं पर पुनर्विचार कर रहे हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, खादेलवाल ने कहा कि मध्य पूर्व की स्थिति के कारण कई लोगों ने अपनी यात्रा योजना रद्द कर दी है। अगले 15 दिनों के लिए निर्धारित अधिकांश समूह यात्राएं रद्द कर दी गई हैं। हनीमून पैकेज और पारिवारिक यात्रा बुकिंग भी प्रभावित हुई हैं, जिससे यात्रियों में अनिश्चितता का माहौल है।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग राज्य मंत्री रीम अल हाशिमी ने सीएनएन को बताया मैं जानती हूं कि यह कई निवासियों के लिए एक डरावना समय है। हमें इस तरह की तेज आवाजें सुनाई नहीं देतीं। लेकिन साथ ही, ये अवरोधन की आवाजें हैं। और जहां नुकसान हुआ है - वह मुख्य रूप से मलबा है। कुछ भारतीय पर्यटक इस समय दुबई में फंसे हुए हैं और अपनी वापसी की उड़ानों को लेकर चिंतित हैं। उनके परिवार लगातार फोन और संदेशों के जरिए उनसे संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अनिश्चितता बढ़ती ही जा रही है। एक टूर और ट्रैवल एजेंसी ने बताया कि समूह और युगल पैकेज के साथ दुबई गए उनके कई पर्यटक फिलहाल होटलों में फंसे हुए हैं। वे लगातार फोन करके अपनी चिंताएं साझा कर रहे हैं।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: सीएनबी -2026-रिटेल-एलपी-2 आर | दिनांक: 27.02.2026

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, चीफ मेडिकल सुपरिटेंडेंट, सब डिविजनल हॉस्पिटल, नॉर्थ सेंट्रल रेलवे, कानपुर के माध्यम से, सब डिविजनल रेलवे हॉस्पिटल, कानपुर में दो साल की अवधि के लिए रोज़ाना दवाओं की सप्लाई के लिए रेटकॉन्ट्रैक्ट बनाने हेतु, IREPS पोर्टल (http://www.ireps.gov.in) पर सिंगल स्टेज सिंगल पैकेट सिस्टम यानी टेक्निकल ऑफर और फाइनेंशियल ऑफर वाले ओपन टेंडर के ज़रिए ऑन लाइन टेंडर आमंत्रित किए जाते हैं। ये ऑफर सिर्फ कानपुर नगर में स्थित फर्मों के लिए है

टेंडर नम्बर	सीएनबी -2026-रिटेल-एलपी-2आर
कार्य का नाम	सब-डिविजनल रेलवे हॉस्पिटल कानपुर को प्रतिदिन दवाइयों की सप्लाई दो साल हेतु।
बिडिंग सिस्टम	सिंगल पैकेट सिस्टम (IREPS वेब पोर्टल)
अनुमानित लागत	₹ 2,00,00,000.00 (दो करोड़ रुपये)
टेंडर डॉक्यूमेंट की कीमत	मुफ्त (शून्य)
बयाना जमा (EMD)	₹ 4,00,000.00 (चार लाख रुपये)
काम पूरा करने की अवधि	LOA जारी होने की तारीख से दो (02) साल तक
बिड बंद होने की तारीख	23.03.2026 को 13.30 बजे
बिड खुलने की तारीख	23.03.2026 को 15.00 बजे
ऑफ़र की वैधता	बिड खुलने की तारीख से 60 दिन।
किसी भी स्पष्टीकरण के लिए संपर्क व्यक्ति	फार्मासिस्ट, सब डिविजनल रेलवे हॉस्पिटल, नॉर्थ सेंट्रल रेलवे, कानपुर

ध्यान दें:- (1) ऊपर बताए गए टेंडर की पूरी जानकारी, इंडियन रेलवे स्टैंडर्ड कंडीशंस/स्टोर मैटर और टेंडर डॉक्यूमेंट वेबसाइट www.ireps.gov.in पर टेंडर खुलने की तय तारीख यानी 27.03.2026 को 13:30 बजे तक उपलब्ध हैं। (2) ऊपर दिए गए टेंडरों के लिए ई-बिड के अलावा किसी भी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जाएंगी। इसके लिए, वेंडरों को IT एक्ट-2000 के तहत CCA द्वारा जारी डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट के साथ IREPS वेबसाइट पर खुद को रजिस्टर करवाना होगा। (3) फाइनेंशियल रेट पेज में दर्ज की गई और डिजिटल रूप से साइन की गई दरों पर ही विचार किया जाएगा। वेंडरों द्वारा किसी अन्य रूप/लेटर हेड पर अटैच की गई दरों और किसी भी अन्य फाइनेंशियल जानकारी को सीधे नज़र अंदाज़ कर दिया जाएगा और उन पर विचार नहीं किया जाएगा। (4) अटैच किए जा रहे डॉक्यूमेंट पर टेंडर देने वाले के हस्ताक्षर होने चाहिए। (5) यह टेंडर नोटिस www.ncr.indianrailways.gov.in पर भी अपलोड किया गया है। (6) ई-टेंडरिंग के संबंध में अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (EMD) का पेमेंट केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से ही स्वीकार किया जाएगा। (7) किसी भी कठिनाई के मामले में IREPS वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्पडेस्क से संपर्क किया जा सकता है। (8) टेंडर ऑनलाइन टेंडर खुलने की तारीख यानी 27.03.2026 को 13.30 बजे तक जमा किया जा सकता है। (9) टेंडर देने वाले को टेंडर डॉक्यूमेंट और इंडियन रेलवे स्टैंडर्ड कंडीशंस/स्टोर मैटर में बताए गए क्लॉज़ के अनुसार ज़रूरी डॉक्यूमेंट अनिवार्य रूप से जमा करने होंगे, अन्यथा ऑफर को अधूरा ऑफर माना जाएगा और उस पर विचार नहीं किया जाएगा। (10) यदि टेंडर खुलने की तारीख को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाता है, तो टेंडर अगले कार्य दिवस पर खोले जाएंगे। हालांकि, बिड बिना किसी विस्तार के, मूल शेड्यूल के अनुसार IREPS पोर्टल https://ireps.gov.in की साइट पर स्वीकार की जाएगी। सभी बोली लगाने वालों से अनुरोध है कि वे टेंडर से संबंधित किसी भी शुद्धि पत्र, अधिसूचना/ अपडेट के लिए केवल ऊपर बताई गई वेबसाइटों को ही देखें।

485/26 (A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

अमेरिका-इजरायल ने हमारी परमाणु साइट पर हमला किया, ईरानी राजदूत का आईएईए को जबाव

तेहरान (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) में ईरान के राजदूत ने दावा किया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़राइल ने रविवार को ईरानी परमाणु सुविधाओं पर हमला किया। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र के परमाणु निगरानी निकाय के प्रमुख ने कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि कथित हमलों में किसी भी परमाणु स्थल को नुकसान पहुंचा है। आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने सोमवार को एजेंसी के 35 सदस्यीय शासी मंडल को बताया कि एजेंसी के पास 'इस बात का कोई संकेत नहीं है कि किसी भी परमाणु प्रतिष्ठान को नुकसान पहुंचा है या उस पर हमला हुआ है।

ग्रॉसी ने आगे कहा कि आईएईए अभी तक ईरान के परमाणु नियामक अधिकारियों से संपर्क स्थापित करने में असमर्थ रहा है। उन्होंने कहा कि ईरानी परमाणु नियामक अधिकारियों से संपर्क करने के प्रयास जारी हैं, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। आईएईए प्रमुख ग्रॉसी ने यह भी कहा कि ईरान की सीमा से लगे देशों में अभी तक विकिरण का स्तर सामान्य पृष्ठभूमि स्तर से ऊपर नहीं पाया गया है। रॉयटर्स के अनुसार, ग्रॉसी ने आगे कहा, 'आज की स्थिति बेहद चिंताजनक है। हम गंभीर परिणामों वाले संभावित विकिरण रिसाव से इनकार नहीं कर सकते, जिसमें बड़े शहरों जितने या उससे भी बड़े क्षेत्रों को खाली कराना भी शामिल है। उन्होंने आगे कहा कि हमें कूटनीति और बातचीत की ओर लौटना होगा। इसी बीच, आईएईए में ईरान के राजदूत रजा नजाफी ने आरोप लगाया कि अमेरिकी-इजरायली हमलों ने विशेष रूप से नतान्ज़ संवर्धन सुविधा को निशाना बनाया और उन्होंने इन हमलों की निंदा करते हुए इन्हें गैरकानूनी, आपराधिक और क्रूर बताया। नजाफी ने कहा उन्होंने कल फिर से ईरान की शांतिपूर्ण और सुरक्षित परमाणु सुविधाओं पर हमला किया... उनका यह तर्क कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करना चाहता है, सरासर झूठ है।

कामयाबी की जानकारी बहुत जल्द देंगे, ईरानी सेना ने नेतन्याहू को मारने का किया दावा, मचा हड़कंप!

तेहरान (एजेंसी)। ईरान की तरफ से इजरायल को लेकर बहुत बड़ा दावा किया गया है। इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के ऑफिस पर बैलेस्टिक मिसाइल से हमले के बाद ईरानी सेना ने बयान जारी किया है। ईरानी सेना ने बयान में कहा कि नेतन्याहू का भविष्य अनिश्चित है। कामयाबी की जानकारी जल्द देंगे। एक तरफ पहले बयान जारी किया गया था कि हमने टारगेट किया है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने सोमवार को दावा किया कि उसने तेल अवीव में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय को सफलतापूर्वक निशाना बनाया है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि कथित हमले के समय 76 वर्षीय इजरायली नेता कार्यालय में मौजूद थे या नहीं। आईआरजीसी ने एक बयान में कहा क अपराधी इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कार्यालय और शासन के वायु सेना कमांडर के ठिकाने पर खेबर शेकान बैलिस्टिक मिसाइलों से 10वीं लहर के दौरान लक्षित और अचानक हमले किए गए।

जिस मिसाइल के इस्तेमाल का दावा किया जा रहा है उसकी खासियत की बात करें तो इसे मोबाइल लांचर से भी दागा जा सकता है। और इसमें सबसे बड़ी खासियत ये है इसका वॉरहेड उड़ान के अंतिम चरण में भी अपनी दिशा को बदल सकता है। जिससे एयर डिफेंस सिस्टम के लिए इसे इंटरसेप्ट करना बहुत मुश्किल होता है। इजराइल के पास सबको मालूम है कि आयरन डोम है। वो मिसाइलों को इंटरसेप्ट करके ड्रोन को इंटरसेप्ट करके हवा में ही नष्ट कर सकता है। अगर इस मिसाइल का इस्तेमाल किया गया है सीधे टारगेट पर जाके लगती है। ढाई हजार किमी की इसकी मारक क्षमता है और सबसे बड़ी बात है कि आयरन डोम भी इसे इंटरसेक्ट नहीं कर पाता।

आईआरजीसी दावा कर रहा है कि पीएम के दफ्तर को ऑफिस को उसने हिट किया और उसका ये दावा है कि ये बिल्कुल सफल और सटीक रहा है और इजराइल को बहुत बड़ा नुकसान हुआ है और आईआरजीसी के इस दावे के बाद वो भी इंतजार कर रहा है कि इजराइल की तरफ से इसका क्या रिप्लाई आता है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।
● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचना:- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।